राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 21 दिसंबर 2023 वर्ष–6,अंक–326 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भाजपा सांसदों की बढ़ गई टेंशन, नमो ऐप पर शुरू हुआ सर्वे

टिकट के लिए जनता से ही मांगे तीन नाम

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में अब कुछ महीने ही बचे हैं और भाजपा ने सांसद उम्मीदवारों के लिए मंथन शुरू कर दिया है। इसके लिए नमो ऐप पर जन-मन सर्वे लॉन्च किया गया है, जिसमें सीधे जनता से ही राय ली जा रही है। इस सर्वे के तहत भाजपा सांसदों के कामकाज पर जनता की राय मांगी गई है। इसके अलावा हर लोकसभा क्षेत्र से तीन संभावित उम्मीदवारों के नाम सुझाने को भी कहा गया है। इस सर्वे से भाजपा के मौजूदा सांसदों की धड़कनें तेज हो गई हैं। पीएम नरेंद्र मोदी जनता के फीडबैक, सर्वे आदि को महत्व देते रहे हैं। ऐसे में यदि किसी सांसद का रिव्यू ऐप पर खराब आता है तो उसके टिकट की संभावनाओं पर भी असर पड़ेगा। सांसदों की रेटिंग के लिए नमो ऐप पर चल रहे जन-मन सर्वे में तीन पैरामीटर रखे गए हैं। ये

पैरामीटर्स हैं- सांसदों तक जनता की पहुंच और उनकी विजिबिलिटी, परफॉर्मेंस से संतुष्टि और लोकप्रियता का स्तर। इसके अलावा मोदी सरकार के कामकाज को लेकर भी जनता की राय मांगी गई है। इसमें बेहद खराब से लेकर शानदार तक का पैमाना दिया गया है। यह रेटिंग आर्थिक मामलों, राष्ट्र सुरक्षा, भविष्य की योजनाओं, दुनिया में भारत की ग्रोथ, हेल्थकेयर और रोजगार की संभावनाओं को लेकर की जा रही है।

सांसदों की बढ़ेगी टेंशन, बहुतों के ऐसे में यदि किसी सांसद का रिव्यू ऐप पर खराब आता है तो उसके टिकट की संभावनाओं पर भी असर पड़ेगा। सांसदों की रेटिंग के लिए नमो ऐप पर चल रहे जन-मन सर्वे में तीन पैरामीटर रखे गए हैं।

टिकट कटने के भी हैं आसार

भाजपा विधानसभा चुनावों में विधायकों को लेकर भी सर्वे कराती रही है और उसके आधार पर कई बार टिकटों का बंटवारा भी हुआ है। ऐसे में सांसदों के लिए यह सर्वे चिंता बढ़ाने वाला हो सकता है। भाजपा हाईकमान ने हाल ही में जीते तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों में नेतृत्व परिवर्तन किया है। सभी जगहों पर नए चेहरों को मुख्यमंत्री बनाया गया है। ऐसे में हाईकमान के मूड को देखते हुए अब सांसदों को भी चिंता सता रही है कि नए चेहरों को तवज्जो मिल सकती है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि तीन नाम जनता से ही इसलिए मांगे जा रहे हैं ताकि नेताओं की लोकप्रियता का पता चल सके। कई बार पार्टी में मजबूत नेता आमतौर पर जनता में कम पकड़ रखते हैं।

पीएम मोदी सांसदों को कई बार दे चुके जमीनी रहने की सलाह

पार्टी के एक नेता ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने जनता से कनेक्ट के लिए ही इस ऐप को लॉन्च किया था। बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी संसदीय दल की बैठकों में कई बार कह चुके हैं कि सांसद जनता के बीच जाएं और उन्हें केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे में बताएं। इसके अलावा सभी सांसदों को विकसित भारत संकल्प यात्रा में भी शामिल होने की सलाह दी है।

चीन से तनाव के बीच सेना प्रमुख नरवणे से बोले राजनाथ सिंह- जो उचित समझो वो करो

जम्मू। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर रेचिन ला पर्वतीय दर्रे में चीनी सेना की तरफ से टैंक और सैनिकों को आगे बढ़ाए जाने से उत्पन्न तनावपूर्ण स्थिति के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 31 अगस्त, 2020 की रात फैसला तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे पर छोड़ते हुए कहा था, जो उचित समझो वो करो.अपने संस्मरण फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी में नरवणे ने सिंह के निर्देश के साथ-साथ संवेदनशील स्थिति पर उस रात रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) के बीच फोन कॉल की झड़ी का भी जिक्र किया है. नरवणे ने कहा कि सिंह के फोन के बाद उनके दिमाग में सैकड़ों अलग-अलग विचार कौंध गए. उन्होंने लिखा है, मैंने आरएम (रक्षा मंत्री) को स्थिति की गंभीरता से अवगत कराया, जिन्होंने कहा कि वह रात लगभग साढ़े दस बजे तक मुझसे संपर्क करेंगे, जो उन्होंने किया. पूर्व सेना प्रमुख ने लिखा है, उन्होंने (रक्षा मंत्री) कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की है और यह पूरी तरह से एक सैन्य निर्णय है.नरवणे ने कहा,जिम्मेदारी अब पूरी तरह से मुझ पर थी. मैंने एक गहरी सांस ली और कुछ मिनटों के लिए चुपचाप बैठा रहा. दीवार पर लगी घड़ी की टिक-टिक को छोड़कर सबकुछ शांत था. उन्होंने लिखा है, एक दीवार पर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का नक्शा था, दूसरी दीवार पर पूर्वी कमान का. वे अचिह्नित नक्शे थे, लेकिन जैसे ही मैंने उन्हें देखा, मैं प्रत्येक यूनिट तथा फॉर्मेशन के स्थान की कल्पना कर सकता था. हम हर तरह से तैयार थे, लेकिन क्या मैं वास्तव में युद्ध शुरू करना चाहता था? संस्मरण में, जनरल नरवणे ने उस रात की अपनी विचार प्रक्रिया को रेखांकित किया है। उन्होंने उस रात के विचारों का उल्लेख करते हुए लिखा है, कोविड महामारी के कारण देश बुरी स्थिति में था. अर्थव्यवस्था लड़खड़ा रही थी, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला टूट गई थी. कार्रवाई के लंबा खिंचने पर क्या हम इन परिस्थितियों में लंबे समय तक उपकरणों आदि की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित कर पाएंगे?

उपराष्ट्रपति पद का मजाक बनाने पर मोदी ने जताया दुख

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उपराष्ट्रपति पद का मजाक बनाने पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा है कि संसद परिसर में ऐसी घटना का होना दुर्भाग्यपूर्ण है।

उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को सोशल नेटवर्किंग वर्क वेबसाइट एक्स पर जारी एक संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री ने उन्हें फोन किया है और कुछ सांसदों द्वारा उनका मजाक बनाने पर गहरा दुख प्रकट किया है।

धनखड़ ने कहा, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का फोन आया और उन्होंने कल संसद के पवित्र परिसर में कुछ माननीय सांसदों द्वारा प्रदर्शित की गयी अपमानजनक नाटकीयता पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने मुझे बताया कि वह पिछले बीस वर्षों से इस तरह के अपमान सहते आ रहे हैं, लेकिन देश के उपराष्ट्रपति जैसे संवैधानिक पद के साथ और वह भी संसद में ऐसा होना दुर्भाग्यपूर्ण है।

इस पर श्री धनखड़ ने कहा, मैंने प्रधानमंत्री से कहा कि कुछ लोगों की बेतुकी हरकतें मुझे मेरा कर्तव्य निभाने और हमारे संविधान में निहित सिद्धांतों का सम्मान करने से नहीं रोक सकती हैं। मैं संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध हूं और इस प्रकार के अपमान मुझे अपने मार्ग से

विचलित नहीं कर सकते। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को संसद परिसर में तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा सांसद कल्याण बनर्जी ने अन्य सांसदों के समक्ष राज्यसभा के सभापति की नकल उतारी, जबकि अन्य सांसद इसकी वीडियो बनाते रहे।

सपा-कांग्रेस में बन नहीं पाएगी बात ? बड़े दावों के बाद भी नरम नहीं पड़े अखिलेश यादव

नई दिल्ली। इंडिया गठबंधन की कई दौर की बैठक हो चुकी है, लेकिन अभी भी घटक दलों के बीच रिश्ते सामान्य नहीं हो पा रहे हैं। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पार्टी बैठक में तो साथ दिखती है, लेकिन दोनों के संबंध आज भी सहज नहीं दिख रहे हैं। अखिलेश यादव के तेवर लगातार इसकी गवाही दे रही है। मंगलवार को नई दिल्ली में हुई इंडिया गठबंधन की बैठक के बाद सपा सुप्रीमो ने कई फोटो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया है। उन तस्वीरों को लेकर जो कैप्शन दिया है उसके कई मायने निकल रहे हैं। उन्होंने लिखा, "INDIA की जीत सामाजिक न्याय की जीत होगी और PDA की स्ट्रेटेजी की सफलता।'' अखिलेश यादव के ट्वीट के कई सियासी मायने निकल रहे हैं। वह इंडिया नाम का तो इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन उनके द्वारा सुझाव दिए गए पीडीए नाम का भी उन्होंने इस्तेमाल करना बंद नहीं किया है। आपको बता दें कि जब बीजेपी खिलाफ तैयार विपक्षी दलों के गठबंधन के नाम की चर्चा हो रही

थी तो उन्होंने पीडीए नाम का सुझाव दिया था, जिसमें पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक का जिक्र आता है। हालांकि, कांग्रेस को उस समय अखिलेश यादव के द्वारा दिया गया नाम पसंद नहीं आया था। बाद घटक दलों के बीच इंडिया नाम पर सहमति बनी। नाम तय हो जाने के बावजूद अखिलेश यादव आज भी पीडीए शब्द का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनसे भी दोनों दलों के बीच दूरी साफ झलक रही है। अखिलेश यादव ने तेजस्वी यादव, लेफ्ट नेता, जयंत चौधरी और ममता बनर्जी सरीखे नेताओं के साथ फोटो शेयर की है। उनके पोस्ट में कांग्रेस नेता के साथ एक भी तस्वीर नहीं है। हालांकि, बैठक के बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सभी दल बहुत जल्द सीट बंटवारे को पूरा कर लेंगे। गठबंधन मजबूत है। हम सभी मिलकर चुनाव लड़ेंगे। यह सवाल किए जाने पर कि कांग्रेस को कितनी सीट दे सकते हैं, इसके जवाब में उन्होंने कहा कि हमारा नारा 'यूपी में 80 हराओ, लोकतंत्र बचाओ' है। इसके अलावा, समाजवादी पार्टी ने कहा कि वह उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के साथ गठबंधन के लिए तैयार है, पर बसपा इस गठबंधन का हिस्सा नहीं होगी।

'जगदीप धनखड़ की कितनी भी बेइज्जती करो'

सदन की गरिमा को सुरक्षित रखना मेरा काम- उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। संसद सुरक्षा चूक पर हंगामे के बाद अबतक 141 सांसदों को निलंबित किया गया है। इन निलंबित सांसदों में लोकसभा से 95 और राज्यसभा से 46 सांसद शामिल हैं। सभी सांसदों के निलंबन के बाद, लोकसभा सचिवालय ने निलंबित सदस्यों के लिए प्रतिबंधों की रूपरेखा तैयार करते हुए एक सर्कुलर जारी किया। सर्कुलर में संसद कक्ष, लॉबी और दीर्घाओं में उनके प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। निलंबन अवधि के दौरान, उन्हें समिति की बैठकों में भाग लेने, नोटिस पेश करने और समिति चुनावों में मतदान करने से रोक दिया गया है। संसद सुरक्षा चूक की घटना पर विपक्ष केंद्रीय मंत्री अमित शाह के बयान की मांग पर अड़ी हुई है। लोकसभा सत्र के दौरान विपक्ष ने बार-बार केंद्रीय मंत्री के बयान की बात कही और जमकर लोकसभा में हंगामा मचाया। विपक्ष के हंगामे के बाद लोकसभा से कई सांसदों को निलंबित किया गया। अब तक लोकसभा से 95 और राज्यसभा से 46 सहित कुल 141 सांसदों को निलंबित कर दिया गया है। सांसदों के

निलंबन के बाद, लोकसभा सचिवालय ने निलंबित सांसदों के लिए एक परिपत्र जारी किया, जिसमें उन्हें संसद कक्ष, लॉबी और दीर्घाओं में प्रवेश करने से रोक दिया गया।

चुनौती कठिन है, नतीजे निराश कर रहे; तीन राज्यों में हार पर पहली बार बोलीं सोनिया गांधी

कांग्रेस संसदीय दल की मीटिंग में सोनिया गांधी ने कहा, `छत्तीसगढ़, एमपी और राजस्थान के चुनाव परिणाम पार्टी के लिए बेहद निराशाजनक रहे।' सोनिया गांधी ने कहा कि हम भारी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

नई दिल्ली। कांग्रेस की नेता सोनिया गांधी ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में करारी हार को लेकर पहली बार बयान दिया है। उन्होंने बुधवार को कांग्रेस संसदीय दल की मीटिंग में कहा कि ये परिणाम हमारे लिए निराशाजनक रहे हैं। यही नहीं उन्होंने 2024 के लिए तैयार रहने का आह्वान किया है। उन्होंने मीटिंग में कहा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान के चुनाव परिणाम पार्टी के लिए बेहद निराशाजनक रहे। सोनिया गांधी ने कहा कि हम भारी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं लेकिन हमें विश्वास है कि हमारा धैर्य, हमें सफलता दिलाएगा। हमारी विचारधारा और मूल्य हमारे मार्गदर्शक हैं। उन्होंने पार्टी नेताओं को

लोकसभा चुनाव के लिए भी तैयार रहने को कहा है। सोनिया गांधी ने कहा कि कुछ माह में लोकसभा चुनाव होने वाले हैं। पार्टी के और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के सदस्य के तौर पर हमें कठिन परिश्रम करना है। उन्होंने इस दौरान संसद के दोनों सदनों से विपक्ष के 141 सांसदों के निलंबन पर भी प्रतिक्रिया दी। सोनिया ने कहा कि इस सरकार ने लोकतंत्र का गला घोंट दिया है। उन्होंने कहा कि विविधता भारत की ताकत है, भाजपा ने एकता की इस भावना को योजनाबद्ध तरीके से कमजोर किया है। गौरतलब है कि मंगलवार को दिल्ली में INDIA अलायंस की मीटिंग हुई थी। इसमें 28 दलों के नेता मौजूद थे। इस बैठक के दौरान ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल ने मल्लिकार्जुन खरगे का नाम पीएम फेस के तौर पर प्रस्तावित किया था। हालांकि इसे लेकर खुद खरगे ने ही मीटिंग के बाद कहा कि हमें पहले तो सांसद के तौर पर अपनी सीटों को जीतने की जरूरत है। पीएम को लेकर फैसला तो जीत के बाद ही किया जाएगा। माना जा रहा है कि ममता और केजरीवाल ने दलित चेहरा होने के चलते खरगे का नाम आगे बढ़ाया है। वहीं कांग्रेस के किसी भी नेता ने पीएम फेस को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की है। इसके अलावा खरगे के नाम पर भी कोई कुछ नहीं बोल रहा है। माना जा रहा है कि खरगे के नाम को लेकर खुद कांग्रेस भी तैयार नहीं थी, लेकिन अचानक ही ममता और केजरीवाल ने उनका नाम आगे बढ़ाया तो उन्हें रोक भी नहीं सकी।

नरेंद्र सिंह तोमर मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष निर्वाचित, कार्यभार संभाला

भोपाल। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ नेता नरेंद्र सिंह तोमर को आज सर्वसम्मति से मध्यप्रदेश विधानसभा का अध्यक्ष निर्वाचित घोषित कर दिया गया। इसके तत्काल बाद उन्होंने कार्यभार भी ग्रहण कर लिया।

नवगठित सोलहवीं विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए श्री तोमर के नाम का प्रस्ताव मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, पूर्व मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और श्री भूपेंद्र सिंह ने रखा। इसके अलावा वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय सिंह, डॉ राजेंद्र कुमार सिंह और जयवर्धन सिंह की ओर से भी श्री तोमर के नाम का प्रस्ताव रखा गया। इसका समर्थन क्रमशः नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, प्रहलाद पटेल, राजेंद्र शुक्ल, रामनिवास रावत, हेमंत कटारे और तुलसी सिलावट ने किया। इसके बाद प्रोटेम स्पीकर गोपाल भार्गव ने श्री तोमर को निर्वाचित घोषित कर दिया।

निर्वाचन की प्रक्रिया पूर्ण होने पर श्री तोमर ने विधिवत तरीके से कामकाज संभाल लिया। मुख्यमंत्री डॉ यादव, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने श्री तोमर को बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि सदन की गौरवशाली परंपराएं और मजबूत होंगी।

श्री तोमर मुरैना जिले की दिमनी विधानसभा सीट से निर्वाचित हुए हैं। श्री तोमर का जन्म मुरैना जिले की पोरसा तहसील के औरेठी गांव में 12 जून 1957 को हुआ। उनके पिता श्री मुंशी सिंह तोमर पेशे से किसान थे। स्नातक तक शिक्षा हासिल करने वाले श्री तोमर केंद्र और राज्य सरकार में महत्वपूर्ण विभागों का दायित्व मंत्री के रूप में संभालते आए हैं। वे संगठन में भी महत्वपूर्ण पदों पर रहे और वे कुशल प्रशासक के साथ ही बेहतर संगठक तथा समन्वयक के रूप में पहचाने जाते हैं।

राज्य के ग्वालियर चंबल अंचल का प्रतिनिधित्व करने वाले श्री तोमर ने छात्र जीवन के

नवगठित सोलहवीं विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए श्री तोमर के नाम का प्रस्ताव मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, पूर्व मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और श्री भूपेंद्र सिंह ने रखा। इसके अलावा वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय सिंह, डॉ राजेंद्र कुमार सिंह और जयवर्धन सिंह की ओर से भी श्री तोमर के नाम का प्रस्ताव रखा गया। इसका समर्थन क्रमशः नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, प्रहलाद पटेल, राजेंद्र शुक्ल, रामनिवास रावत, हेमंत कटारे और तुलसी सिलावट ने किया।

दौरान राजनीति में प्रवेश किया और वे ग्वालियर के मुरार स्थित शासकीय महाविद्यालय में वर्ष 1979 80 में छात्र संघ अध्यक्ष चुने गए। वे 1983 से 1987 तक ग्वालियर नगर निगम में पार्षद रहे और इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर कभी नहीं देखा।

मितभाषी, सहज और सरल व्यवहार के लिए पहचाने जाने वाले श्री तोमर वर्ष 1998 में ग्वालियर से पहली बार विधायक चुने गए। वर्ष 2003 में उन्होंने एक बार फिर से इसी सीट का भाजपा के टिकट पर प्रतिनिधित्व किया और तब गठित हुयी भाजपा की सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, ग्रामोद्योग, मछलीपालन एवं पशुपालन विभाग के मंत्री बने। वे भाजपा की बाबूलाल गौर सरकार के बाद शिवराज सिंह चौहान सरकार में भी मंत्री रहे। श्री तोमर ने चौहान सरकार में पंचायत एवं ग्रामीण विकास के साथ ही जनसंपर्क जैसे महत्वपूर्ण विभाग को भी संभाला। वर्ष 2008 में वे सर्वश्रेष्ठ मंत्री के रूप में नवाजे गए।

श्री तोमर ने इस वर्ष मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में विजयी होने के बाद मुरैना संसदीय सीट के साथ ही केंद्रीय कृषि मंत्री के पद से त्यागपत्र दे दिया। वे विधानसभा चुनाव में प्रदेश भाजपा चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक के रूप में कार्य करते रहे। श्री तोमर 2019 के लोकसभा चुनाव में मुरैना संसदीय सीट से भाजपा के टिकट पर सांसद चुने गए थे। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में श्री तोमर ग्वालियर संसदीय क्षेत्र से निर्वाचित हुए थे। इसके बाद उन्हें उस समय मोदी सरकार में इस्पात, खान, श्रम एवं रोजगार विभाग का मंत्री बनाया गया। इसके बाद जुलाई 2016 में उन्हें ग्रामीण विकास, पंचायती राज, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय का कार्यभार दिया गया। सितंबर 2017 में श्री तोमर को ग्रामीण विकास, पंचायती राज और खान विभाग का जिम्मेदार दिया गया।

श्री तोमर को अक्टूबर 2018 में केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया, जिसे उन्होंने बखूबी निभाया।

श्री तोमर ने प्रदेश भाजपा संगठन में भी अपनी भूमिका को साबित किया। 16 दिसंबर 2014 को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध निर्वाचित हुए। इसके पहले वे मार्च 2010 में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव के पद पर नियुक्त किए गए थे। उन्होंने 2009 के चुनाव में मुरैना संसदीय क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी के रूप में विजय हासिल की थी। इसी वर्ष जनवरी में मध्यप्रदेश से राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए। वर्ष 2006 में भी वे प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का दायित्व संभाल चुके थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कोविड-19 अब भी चुनौती

केरल में कोविड-19 के नए वेरिएंट जेएन1 का पहला मामला संज्ञान में आने के बाद केंद्र सरकार ने राज्यों को जो 'एडवाइजरी' जारी की है, उसे पूरी गंभीरता से लिए जाने की जरूरत है। राज्यों से यह भी कहा गया है कि वे कोविड संबंधी आरटी-पीसीआर जांच बढ़ाएं। संतोष की बात है कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को सभी राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों की एक बैठक बुलाई है, ताकि कोरोना और सांस संबंधी अन्य रोगों पर व्यापक विचार किया जा सके। कोरोना के मामले में किसी किस्म की लापरवाही फिर से एक बड़ी कीमत वसूल सकती है, इसलिए राज्यों को केंद्र के साथ बेहतर तालमेल बिठाते हुए तमाम एहतियाती कदम उठाने पड़ेंगे। केरल से सटे कर्नाटक में राज्य सरकार ने साठ साल से अधिक उम्र के अपने नागरिकों और किसी भी गंभीर रोग के शिकार लोगों को सलाह दी है कि बाहर निकलते समय मास्क का इस्तेमाल करें। इस मामले में तत्परता कितनी जरूरी है, यह बात सिर्फ दो तथ्यों से उजागर हो जाती है- केरल में सिर्फ इस महीने ही 17 तारीख तक कोरोना से 10 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि महाराष्ट्र में कई महीनों के बाद पहली बार एक दिन में कोविड संक्रमितों की संख्या दहाई अंक में पहुंची है। जेएन1 वेरिएंट के मामले चीन, अमेरिका और सिंगापुर आदि कई देशों में भी मिले हैं, इसलिए इसके वैश्विक प्रसार की आशंका बेमानी नहीं है। राहत की बात यही है कि केरल की जिस बुजुर्ग महिला में इस वेरिएंट का पता चला था, वह कोविड से उबर चुकी हैं और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी कहा है कि अभी तक इस बात का कोई प्रमाण नहीं मिला है कि यह नया वेरिएंट सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बड़ा जोखिम पैदा करता है। फिर भी हमें पर्याप्त सावधानी बरतते हुए आगे बढ़ना चाहिए। कोरोना की दूसरी लहर में जो जन-तबाही हमने देखी, उसकी स्मृतियां अभी धुंधली नहीं हुई हैं। निस्संदेह, तब से स्वास्थ्य के क्षेत्र में काफी कुछ हुआ है। अस्पतालों व अन्य ढांचागत सुविधाओं के विकास पर जोर दिया जा रहा है। मगर इस तथ्य को भी नजरअंदाज नहीं कर सकते कि तमाम तैयारियों को पंगु साबित करने वाली आबादी हमारे पास है। गौर कीजिए, भारत में कोविड-19 ने अपना पहला कदम केरल में और सर्दी के दिनों में ही रखा था। इसलिए मौसम को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। फिर इन दिनों जिस तरह की मौसमी अनियमितता देखने को मिल रही है, वह वैसे ही अनेक बीमारियों की जड़ है। तमिलनाडु में पिछले कई दिनों से जबर्दस्त बारिश हो रही है। तेरुनेलवेली, तेनकासी, थूथूकुडी और कन्याकुमारी जिले विशेष रूप से जलमग्न नजर आ रहे हैं। थूथूकुडी के कयालपट्टिनम में तो 24 घंटे में 96 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। राहत और बचाव के लिए सेना को बुलाना पड़ा है। ऐसे में, कोविड मामलों में वृद्धि शासन-प्रशासन के आगे कितनी मुश्किल चुनौती खड़ी कर सकती है, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। महामारी के बाद दिल का दौरा पड़ने की घटनाएं दुनिया भर में बढ़ी हैं और खासकर युवा आबादी में इसकी बढ़ती संख्या चिंताजनक है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के एक अध्ययन के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने सलाह दी थी कि जो कोविड-19 के गंभीर शिकार रहे हैं, उन्हें कुछ समय तक ज्यादा शारीरिक श्रम, वर्जिश से बचना चाहिए। इसलिए कोविड संक्रमण से जुड़ी किसी भी सूचना और सलाह के प्रति पूरी संजीदगी बरती जाए।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मकर व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

कुम्भ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

मीन आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

क्षेत्रवार असमानता कम होने से राष्ट्रवाद को मजबूती

इसमें कोई शक नहीं कि आज़ादी के बाद से देश की राष्ट्रवादिता की जड़ें लचीली रही हैं और मजबूत होती गईं। देश के तमाम इलाकों में लोग राष्ट्रीय भावनाओं से ओत-प्रोत हैं, जो देश पर बाहरी खतरा महसूस होने पर खासतौर पर उभर आती है। इसके आलोक में, राजनीतिक वर्ग को सनद रहे कि दुनिया की कुल आबादी में छठा हिस्सा रखने वाले देश भारत का राष्ट्रवाद समावेशी हो, जो सभी संस्कृतियों, जीवनशैली, भाषाओं, क्षेत्रीय आकांक्षाओं का सम्मान करे। साथ ही, राष्ट्रवाद तभी मजबूत होगा जब दौलत और कमाई के मामले में क्षेत्रवार विषमताएं घटें।

विवेक काटजू

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके पार्टी अध्यक्ष एमके स्टालिन ने अपने दल के सांसद डीवीएन सेंथीकुमार की खिंचाई करके ठीक किया है, जब उक्त सांसद ने राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के विधानसभाई चुनावों में भाजपा की जीत के बाद लोकसभा में हिन्दी भाषी सूबों को 'गोमूत्र राज्य' ठहराया। पिछले सप्ताह लोकसभा में दिए अपने भाषण में सेंथीकुमार ने तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में भाजपा की चुनावी हार का हवाला देते हुए कह डाला कि भाजपा का दक्षिण भारत में सफल होना मुश्किल है। अंततः उन्हें अपने कहे पर माफी मांगनी पड़ी और उक्त शब्दों को लोकसभा कार्यवाही के रिकॉर्ड से हटा दिया गया। देश के किसी भी हिस्से या सूबे के लोगों की भावुकता को चोट पहुंचाने वाले किसी सांसद के ऐसे शब्द अस्वीकार्य हैं। संसदीय कार्यवाही में हल्की-फुल्की छेड़छाड़ होती है, होती आई है और होनी भी चाहिए, क्योंकि सदस्यों की विषयात्मक बहस में कुछ हद तक नोक-झोंक भरा तरीका मित्रतापूर्ण बहस का हिस्सा होती है। हालांकि, बेइज्जती करने वाले शब्दों की संसदीय प्रकिया में कोई जगह नहीं है। डीएमके सांसद के बोल न केवल चोट पहुंचाने वाले थे बल्कि इंडिया नामक गठबंधन का राजनीतिक रूप से खमियाजा भी हो सकता है। उम्मीद के मुताबिक भाजपा ने उक्त शब्दों पर तीखी प्रतिक्रिया जाहिर की और इन्हें उत्तर-दक्षिण के आधार पर देश को बांटने वाला प्रयास करार दिया। दक्षिण के संदर्भ में, जहां कर्नाटक में भाजपा की हार हुई है, लेकिन तेलंगाना में कुल वोटों में अपना हिस्सा बढ़ने से सांत्वना भी मिली है। ऐसा नहीं है कि मानो दक्षिण में भाजपा का कोई आधार नहीं है। लेकिन तथ्य यह भी है कि किसी भी दक्षिण भारतीय राज्य में भाजपा की अपनी सरकार नहीं है, हालांकि पुडुचेरी में भाजपा सत्तारूढ़ गठजोड़ का अंग है। ठीक इसी समय, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन सूबों की जनसंख्या के अच्छे-खासे वर्ग में अपने प्रति भरोसा अर्जित किया है, विशेषकर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर। अलबत्ता, डीएमके सांसद के बोलों से बना विवाद मौका है भारतीय राष्ट्रवाद पर आत्मविश्लेषण करने का। यह इसलिए क्योंकि हो सकता है कि राष्ट्रवादिता की परतों के भीतर क्षेत्रवाद मौजूद हो। इसमें कोई शक नहीं कि आज़ादी के बाद से देश की राष्ट्रवादिता की जड़ें लचीली रही हैं और मजबूत होती गईं। देश के तमाम इलाकों में लोग राष्ट्रीय भावनाओं से ओत-प्रोत हैं, जो देश पर बाहरी खतरा महसूस होने पर खासतौर पर उभर आती है। इसके आलोक में, राजनीतिक वर्ग को सनद रहे कि दुनिया की कुल आबादी में छठा हिस्सा रखने वाले देश भारत का राष्ट्रवाद समावेशी हो, जो सभी संस्कृतियों, जीवनशैली, भाषाओं, क्षेत्रीय आकांक्षाओं का सम्मान करे। साथ ही, राष्ट्रवाद तभी मजबूत होगा जब दौलत और कमाई के मामले में क्षेत्रवार विषमताएं घटें। यह बात देश के विभिन्न हिस्सों में मानव विकास के स्तर पर भी लागू होती है। जिस एक विषय पर चर्चा कभी-कभार होती है, वह है संविधान में राजकीय नीति के दिशा-निर्देशक सिद्धांतों पर प्रकाश। राजनीतिक वर्ग और जनता अधिकांशतः भूली बैठी है कि दिशा-निर्देशक सिद्धांत देश में राजकाज चलाने का 'आधारभूत' है और कानून बनाने में इन सिद्धांतों को लागू करवाना राजव्यवस्था का कर्तव्य है। अनुच्छेद 38(2) का दिशा-निर्देश सिद्धांत कहता है 'राजव्यवस्था, खासतौर पर, आमदनी में असमानता को न्यूनतम रखने और सामाजिक रुतबे, सुविधाएं और अवसरों में गैर-बराबरी को समाप्त करने का प्रयास करे, न केवल किन्हीं लोगों में, बल्कि अलग-अलग भागों में बसी आबादी और विभिन्न रोजगारों में लिप्त लोगों के बीच भी।' जाहिर है यहां शब्द 'क्षेत्र' में सूबे भी शामिल हैं। इससे इंकार नहीं हो सकता कि बढ़ती क्षेत्रवार और राज्यवार असमानता के चलते विभिन्न किस्म के दबाव और भावनाएं -कुछ अस्वस्थ भी- उभरें। राजनीतिक वर्ग गरीबों के संत्रास का हल निकालने को विभिन्न उपाय बैठा रहा है, इसमें उनके खातों में सीधे पैसे भेजने वाली योजना भी शामिल है। यह अच्छा है कि बिचौलिए द्वारा यह पैसा हड़पने से बचाने के लिए धन स्थानांतरण के लिए डिजिटल तरीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। केंद्रीय एवं राज्य सरकारें गरीब वर्ग की रोजगार संभावना बेहतर बनाने को कौशल स्तर बढ़ाने वाली योजनाएं चलाना चाहती हैं। जहां एक ओर यह सब किया जा रहा है, जिस मुख्य और बहुत अहम ध्येय को स्पष्टतः नज़रअंदाज किया जा रहा है, वह है व्यक्तिगत और समूहगत कमाई में असमानता को न्यूनतम करने वाले दिशा-निर्देशक सिद्धांत। यह करने के लिए कर की दर को बढ़ाना कारगर न होगा। इसकी पूर्ति केवल शिक्षा प्रसार और लोगों के रवैये में बदलाव लाकर ही हो पाएगी। देश के वह हिस्से, जहां के लोग दूरगामी सोच रखते हैं और डिजिटल युग की संभावनाओं और अवसरों का भरपूर फायदा लेना चाहते हैं, न ही उनमें 'इतिहास की गलतियों को सुधारने के प्रति आसक्ति' है, वे आमदनी और भौतिक सुखों के हिसाब से बेहतर हैं। अवश्य ही दक्षिणी राज्यों में लोगों के बड़े वर्ग पर, शायद उनके अलहदा ऐतिहासिक अनुभवों एवं उत्तरी अंचल से काफी दूर होने के कारण, अपने मानस पर इतिहास की सांप्रदायिक, ऐतिहासिक गलतियों को सही करने का बोझ उतना नहीं लेते। इसलिए उनके संयुक्त मुद्दे देश के उत्तर भारतीय राज्यों से अलग हैं। यह खासियत भी अंदर ही अंदर जुड़ी हुई है और चुनावी परिणामों में प्रतिबिम्बित होती है। राजनीतिक जमात के लिए इन कारकों को ध्यान में रखना अनिवार्य है। स्वाभाविक है, भौगोलिकता कारणों से भी सूबों और इलाकों के बीच मुद्दों और उनके हल निकालने की मसरूफियतों में बहुत बड़ा अंतर रहेगा। हालांकि, अनुच्छेद 38(2) में बताई समझदारी पूर्ण दिशा-निर्देशों को दरकार है तमाम सुबाई और केंद्र सरकार नवीन नीतियां अपनाएं ताकि भारतीय गणराज्य परिवार के सभी सदस्यों को महसूस हो कि वे सारे एक समान महत्वपूर्ण हैं और अधिकार संपन्न और समृद्धि हासिल करने का अवसर सबके लिए एक जैसे हैं। वास्तव में, वसुधैव कुटुम्बकम की शुरुआत भारतीयम कुटुम्बकम में है। साथ ही, भारतीय गणराज्य के परिवार के सभी सदस्य स्वस्थ एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले हों, यह सुनिश्चित करने का सबसे यकीनी तरीका है कि असमानता सीमित रखी जाए और लोगों का रवैया दूरगामी सोच वाला बने।

लेखक पूर्व विदेश सचिव हैं।

राजस्थान में नये लोगों को आगे बढ़ायें कांग्रेस

(लेखक-रमेश सर्राफ धमोरा)

राजस्थान में भी कांग्रेस पार्टी को यथा शीघ्र ही नया प्रदेश अध्यक्ष व विधायक दल के नेता का चयन करना चाहिए। मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा स्वयं तो चुनाव जीत गए मगर उनसे चलते कांग्रेस पार्टी को चुनाव में बहुत नुकसान उठाना पड़ा है। उनकी विवादास्पद छवी तथा राजस्थान लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में उनके परिजनों के चयन को लेकर भी प्रदेश में बड़े विवाद उठे थे। जिसके बाद से ही कांग्रेस बचाव की मुद्रा में आ गई थी। मुख्यमंत्री रहते अशोक गहलोत ने आमजन के लिये अनेको कल्याणकारी योजनाएं चलाई थी। मगर डोटासरा जैसे लोगों के बड़बोलेपन के चलते योजनाएं अप्रभावी गोकर रह गई थी। राजस्थान में कांग्रेस पार्टी के 69 विधायक जीतकर आए हैं। जिनमे सबसे अधिक 17 विधायक जाट समाज से है। जाट समाज से 17 विधायकों के जीतने से साफ प्रतीत होता है कि जाटों ने आज भी कांग्रेस का साथ नहीं छोड़ा है। जाटों द्वारा कांग्रेस को दिए गए समर्थन के कारण ही शेखावाटी क्षेत्र की 21 सीटों में से कांग्रेस 14 सीट फिर से जीतने में सफल रही है। जबकि भाजपा को मात्र 6 सीट ही मिल पाई है। 2018 के विधानसभा चुनाव में भी इस क्षेत्र में कांग्रेस को 15 सीट मिली थी।

वही गंगानगर और हनुमानगढ़ जिले की कुल 11 में से 10 सीटों पर हुए चुनाव में कांग्रेस 6 सीटों पर जीती है। जबकि भाजपा को मात्र तीन सीट ही मिल पाई है। इस तरह देखें तो गंगानगर, हनुमानगढ़, चुरु झुंझुनू, सीकर की 31 में से कांग्रेस ने 20 सीट जीत ली है। वही भाजपा को मात्र 9 सीट ही मिल पाई है। ऐसे में नए प्रदेश अध्यक्ष पद पर किसी जाट विधायक की नियुक्ति से पार्टी को मजबूती मिलेगी। जाट समाज से जीतने वाले विधायकों में हरीश चौधरी व नरेंद्र बुडानिया दोनों ही निर्विवाद है तथा समाज व पार्टी में कार्यकर्ताओं पर अच्छी पकड़ रखते हैं।

बाड़मेर जिले की बायतु सीट से लगातार दूसरी बार जीते हरीश चौधरी अभी पंजाब कांग्रेस के प्रभारी है तथा गहलोत की पिछली सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। इससे पूर्व वह बाड़मेर-जैसलमेर क्षेत्र से लोकसभा के सांसद भी रह चुके हैं। हरीश चौधरी राहुल गांधी के नजदीकी लोगों में शुमार होते हैं। इसी तरह चुरू जिले की तारानगर सीट पर राजस्थान के लगातार सात बार जीतने वाले विधायक व नेता प्रतिपक्ष रहे राजेंद्र राठौड़ को हराने वाले नरेंद्र बुडानिया तीन बार लोकसभा, तीन बार राज्यसभा व तीन बार विधानसभा के सदस्य रहे हैं। यदि उनको प्रदेश अध्यक्ष बनाया जाता है तो पार्टी कार्यकर्ताओं में अच्छा मैसेज जाएगा। इसके अलावा भी जाट समाज में कई ऐसे युवा विधायक जीत कर आए हैं जो पूर्व में भी विधायक रह चुके हैं। पार्टी को विधायक दल के नेता पद पर अनुसूचित जाति, जनजाति के किसी विधायक का चयन करना चाहिए। राजस्थान में अनुसूचित जाति, जनजाति के 25 विधायक जीत के आए हैं। जिनमें से मीणा समाज के आठ, अनुसूचित जाति के 11 व आदिवासी समुदाय के छह विधायक जीते हैं। अनुसूचित जाति जनजाति हमेशा से ही कांग्रेस का वोट बैंक रही है तथा इस बार भी उन्होंने कांग्रेस का पूरा साथ दिया हैं। ऐसे में विधायक दल के नेता पद पर मीणा समाज के मुरारी लाल मीणा, आदिवासी समाज के महेंद्रजीत मालवीय या अन्य किसी विधायक को विधायक दल का नेता बनाया जाना पार्टी के हित में रहेगा। यह दोनों ही वरिष्ठ विधायक है तथा पूर्व में मंत्री भी रह चुके हैं। महेंद्रजीत मालवीया तो कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य भी है।

मुस्लिम समुदाय भी कांग्रेस को एक मुश्त वोट देता है। मुस्लिम समुदाय के इस बार पांच विधायक जीत कर आए हैं। यदि उनमें से किसी को उपनेता बनाया जाता है तो पार्टी के लिए आने वाले समय में अच्छा रहेगा। कांग्रेस के कुल 69 विधायकों में से जाट 17, ब्राह्मण चार, मीणा 8, अनुसूचित जाति 11, जनजाति 6, बनिया पांच, गुर्जर तीन, यादव दो, मुस्लिम पांच, माली तीन, चारण एक, कुम्हार एक, पटेल एक सहित कई अन्य जातियों के विधायक शामिल है।

इस बार के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को बीजेपी से मात्र 856840 यानी 2.16 प्रतिशत मत कम मिलने के कारण कांग्रेस बीजेपी से 46 सीट पीछे रह गई। यदि कांग्रेस के नेता बागी खड़े नहीं होते और आपसी गुटबाजी नहीं होती तो इतना सा अंतर को पाट पाना कांग्रेस के लिए कोई बड़ी बात नहीं थी। मगर अशोक गहलोत व सचिन पायलट की आपसी गुटबाजी के चलते कांग्रेस पार्टी फिर से सरकार बनने से रह गई तथा अशोक गहलोत द्वारा हर बार राज बदलने की परंपरा को तोड़ने का सपना भी सपना बनकर ही रह गया।

राजस्थान में चुनावी प्रक्रिया के दौरान से ही प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा द्वारा जिस तरह से प्रदेश कमेटी में धड़ाधड़ सचिव व महासचिव के पदों पर नियुक्तियां की जा रही है उसको लेकर भी कांग्रेसजनों में अच्छी सोच नहीं है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मानना है कि प्रदेश प्रभारी द्वारा मनमानी तरीके से की जा रही नियुक्तियों में आर्थिक हित साधे जा रहें है। कई नियुक्तियां तो ऐसे लोगों की की गई है जिनके परिजनों ने हाल ही के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशियों के खिलाफ चुनाव प्रचार किया था। प्रदेश प्रभारी द्वारा अपने स्तर पर बड़ी संख्या में की जा रही नियुक्तियों से कांग्रेस की छवि दागदार हो रही है। कांग्रेस आलाकमान को ऐसी नियुक्तियों पर भी संज्ञान लेकर उचित कार्यवाही करनी चाहिए ताकि गलत लोगों को पार्टी में पदाधिकारी बनने से रोका जा सके।

कांग्रेस पार्टी ने जिस तरह से मध्य प्रदेश में कमलनाथ व दिग्विजय सिंह को दरकिनार कर जीतू पटवारी को प्रदेश अध्यक्ष, उमंग सिंघार को विधायक दल का नेता व हेमंत कटारे को उपनेता बनाया गया है। इसी तरह छत्तीसगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल विरोधी खेमे के दीपक बैज को फिर से कांग्रेस अध्यक्ष व आदिवासी नेता चरण दास महंत को विधायक दल का नेता बनाया गया है। उसी तरह राजस्थान में भी बिना समय गवायें नयी नियुक्तियां करनी चाहिए ताकि आने वाले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी मजबूती से मुकाबले में खड़ी हो सके।

कांग्रेस आलाकमान को पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व सचिन पायलट दोनों को ही अलग रखकर ऐसे नए लोगों को आगे लाना चाहिए जो गुटबाजी से दूर रहकर पार्टी को फिर से मजबूत कर सके और पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरकर उनका मनोबल मजबूत रख सके। तभी आने वाले समय में कांग्रेस फिर से मजबूत होकर उभर सकेगी। यदि अशोक गहलोत व सचिन पायलट के इर्द-गिर्द ही प्रदेश में कांग्रेस की राजनीति चलती रहेगी तो दोनों गुटों की आपसी टांगखिंचाई पहले की तरह चलती रहेगी और कांग्रेस को भी नुकसान उठाना पडेगा। इसलिए निर्विवाद छवी के लोगों को आगे लाकर नेतृत्वकर्ता के स्थान पर बैठाना चाहिए। तभी कांग्रेस के फिर से अच्छे दिन आ सकेगें।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

विचार मंथन

सब कुछ नया, जिस सीढी से चढ़े, वही हटा दी

(लेखक - सनत जैन)

भारत में सब कुछ नया-नया हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस सीढी से चढ़े। इस सीढी को सबसे पहले उन्होंने हटाया। ताकि लोग उनकी कुर्सी तक कभी नहीं पहुंच सके। इसमें वह पूर्ण रूप से सफल रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी अपना स्वयं का एक नया इतिहास लिखते हैं। पुराने इतिहास और पुरानी परंपराओं में जीना शायद उन्होंने सीखा ही नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं कहते हैं, कि उन्होंने कभी छोटा सोचा ही नहीं। वह हमेशा बड़ा ही सोचते हैं। उनके कार्यकाल में संसद की नई भव्य इमारत बनी। जब उसका उद्घाटन हुआ तो राजसी परंपरा के अनुसार सैंगोल स्थापित किया गया। नई संसद के पहले सत्र में ही महिला आरक्षण विधेयक पेश किया गया। जो पिछले कई दशकों से लंबित पड़ा हुआ था। भारतीय संसद का एक नया इतिहास, सांसदों को सबसे ज्यादा संख्या में निलंबित करने का बनाया। आगे पीछे के सभी रिकॉर्ड एक तरह से तोड़ दिए हैं। ना भूतो ना भविष्यति। नई संसद में भाजपा के एक सांसद ने एक धर्म विशेष के आधार सांसद के ऊपर जो टिप्पणी की। वह उसके पहले ना कभी संसद में हुई थी, ना बाद में कभी होगी। संसद के दोनों सदनों का संचालन ऐसे हो रहा है। जैसा स्कूल और कॉलेज में उद्दंड छात्रों के लिए भी नहीं होता है। लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति एक हेड मास्टर की तरह सांसदों को अनुशासन में बांधकर रखना चाहते हैं। आसंदी द्वारा सांसदों से जिस तरीके से निर्देश दिए जाते है। उसमें विपक्षी सांसदों के लिए हेय भाव होता है। जो किसी को भी सुनने पर अपमानजनक लगता है। विपक्षी सांसदों को सदन के अंदर बोलने भी नहीं दिया जाता है। बार-बार हस्तक्षेप किया जाता है। विपक्षी सदस्य जब बोलते हैं तो सत्ता पक्ष हंगामा करने लगता है। ऐसा लगता है कि लोकसभा और राज्यसभा मे प्राइमरी स्तर की क्लासें लग रही हैं सांसदों के साथ हेड मास्टर के रूप में आसंदी द्वारा जो क्रूरतम व्यवहार हो सकता है, वह किया जा रहा है। 3 दिन में 141 से ज्यादा सांसद पूरे सत्र की अवधि के लिए निलंबित कर दिए गए। जो विधेयक संसद में पेश किया जा रहे हैं। वह अब ना तो प्रवर समिति को भेजे जाते हैं। नाही संयुक्त संसदीय समिति को भेजे जाते हैं। जिन बिलों में 15 से 16 घंटे चर्चा होनी होती है। उन बिलों को हो हल्ले के बीच में 5 से 10 मिनट में पास कर दिया जाता है। सांसदों को निलंबित करने की वजह भी बिलों को पास करना बताया जा रहा है। कैग की जिस रिपोर्ट के बल पर यह सरकार सत्ता में आई थी। 2014 के बाद से केग की रिपोर्ट पेश करने का पुराना सिस्टम भी लगभग लगभग खत्म कर दिया गया है। सरकार अब संसद में आंकड़े भी पेश नहीं करती है। रिपोर्ट के पुराने तरीकों को बदल दिया गया है। नए तरीके बना लिए गए हैं। आंकड़ों को सार्वजनिक नहीं किया जा रहा है। इलेक्ट्रोल बांड के जरिए चंदा जुटाया जा रहा है। उसका 80 से 90 फ़ीसदी भाजपा को प्राप्त हो रहा है। लेकिन कौन चंदा दे रहा है। इसको सरकार द्वारा सार्वजनिक नहीं किया जा रहा है। मनी बिल के रूप में ऐसे बिल पेश किया जा रहे हैं। जो सांसद और संसद के अधिकारों को ही खत्म कर रहे हैं। बिना चर्चा के बिल बजट और अनुपूरक बजट पास हो रहे हैं। जो बिल पास कराये जाते हैं। उन्हें उसी दिन पेश किया जाता है। सांसद पढ़ भी नहीं पाते हैं। बिल पास हो जाते हैं। इसके पहले कभी नहीं हुआ था। भारतीय जनता पार्टी जब विपक्ष में थी। तब वह सदन के अंदर कैसे-कैसे धरने, विरोध प्रदर्शन, और सदन की कार्यवाही नहीं चलने देती थी। अब उस पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। सबसे लंबे समय तक विपक्ष में रहकर किस तरीके से सरकार के काम को बाधित किया जाता है। यह बीजेपी से अच्छा कोई नहीं जानता है। इसलिए जब केंद्र में भाजपा की सरकार बनी तो सबसे पहले विपक्ष की उसी सीढी को हटा दिया गया, जिसके कारण विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच में अब इतनी दूरी बन गई है, कि उसको पाटा नहीं जा सकता है। भाजपा के सांसद रमेश बिधूड़ी ने बहुजन समाज पार्टी के सांसद को एक तरह से सदन के अंदर गाली ही दी थी। उसे पर कोई कार्यवाही नहीं की गई। जब सदन चल रहा होता था। तब परंपरा थी, कि सरकार जो भी बयान देती थी,वह सदन के अंदर देती थी। हाल ही में संसद के ऊपर आतंकी हमला हुआ। गृहमंत्री और प्रधानमंत्री सदन के बाहर बोल रहे हैं। संसद के अंदर नहीं बोल रहे हैं। विपक्ष सदन में व्यक्तव्य देने की मांग कर रहा है। लेकिन सरकार नहीं दे रही है। जिसके कारण विपक्ष विरोध कर रहा है। इस मांग के चलते 141 सांसदों का निष्कासन हो जाना, एक ऐसा इतिहास बन गया है। जिसे शायद भविष्य में भी ना तोड़ा जा सके। सरकार कह रही है, कि विपक्षी सांसद अपना आचरण सुधारें। जो कुछ कहना है,अपनी सीट से कहें आसन्दी सदन की कार्यवाही दिखाना चाहेगी तो दिखाएंगे,नहीं तो विपक्ष के लिए उसे भी ब्लैक आउट अर्थात सेंसर कर दिया जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सीईओ वू करेंगे अलीबाबा के ई-कॉमर्स कारोबार का संचालन

हांगकांग। चीन के वाणिज्य कारोबार को आगे बढ़ाने और पिंडुओडुओ जैसे तेजी से बढ़ते ऑनलाइन शॉपिंग प्रतिद्वंद्वियों का मुकाबला करने के लिए अलीबाबा समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एडी वू मुख्य ई-कॉमर्स कारोबार की अगुवाई करेंगे। वू लंबे समय तक अलीबाबा की कार्यकारी रही टुडी दाई का स्थान ले रहे हैं। बुधवार को अलीबाबा के चेयरमैन जो त्साई ने एक आंतरिक पत्र में बताया कि दाई एक परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी स्थापित करने में मदद करेंगी जिसका उद्देश्य पूंजी पर रिटर्न में सुधार करना और शेयरधारकों के लिए मूल्य बढ़ाना है। यह बदलाव ऐसे समय किया गया है जबकि पिंडुओडुओ और अमेरिका केंद्रित ई-कॉमर्स साइट टेमू का परिचालन करने वाली पीडीडी होल्डिंग्स इंक का बाजार पूंजीकरण पिछले महीने अलीबाबा से अधिक हो गया है। मंगलवार को पीडीडी के अमेरिका में सूचीबद्ध शेयर का बाजार पूंजीकरण 199.41 अरब अमेरिकी डॉलर था। वहीं अलीबाबा का बाजार मूल्यांकन 191.75 अरब डॉलर था।

30 दिसंबर से अयोध्या हवाई अड्डे से शुरू होगी उड़ान

नई दिल्ली। दुनियाभर से आने वाले रामभक्तों को अयोध्या आने में कोई दिक्कत का सामना न करना पड़े इसके लिए अंराष्ट्रीय हवाई अड्डे की शुरुआत की जा रही है। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने बुधवार को 30 दिसंबर से अयोध्या अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सेवाएं शुरू करने की घोषणा की। एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा, उद्घाटन उड़ान 30 दिसंबर, 2023 को सुबह 11 बजे दिल्ली से प्रस्थान करेगी और 12.20 बजे अयोध्या में उतरेगी। अयोध्या से, उड़ान दोपहर 12.50 बजे दिल्ली के लिए प्रस्थान करेगी और 14.10 बजे पहुंचेगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रबंध निदेशक आलोक सिंह ने कहा, एयरपोर्ट खुलने के बाद एयर इंडिया एक्सप्रेस अयोध्या से परिचालन शुरू करने को लेकर उत्साहित है। यह देश भर के टियर 2 और टियर 3 शहरों से कनेक्टिविटी बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। हम अयोध्या के अपेक्षित विकास को लेकर उत्साहित हैं, निकट और दूर से तीर्थयात्रियों और यात्रियों को आकर्षित कर रहे हैं और इस रोमांचक विकास की कहानी का हिस्सा होने पर गर्व महसूस करते हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस अयोध्या को भुवनेश्वर, बेंगलुरु, कोच्चि, गुवाहाटी, गोवा, ग्वालियर, जयपुर, पुणे, सूरत, श्रीनगर और शारजाह जैसे गंतव्यों से जोड़ने के लिए सुविधाजनक वन-स्टॉप यात्रा कार्यक्रम भी प्रदान करेगा।

सोने और चांदी में आया उछाल

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में आयी तेजी के बीच ही बुधवार को घरेलू बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतें बढ़ी हैं। इन दोनो ही कीमती धातुओं के वायदा भाव में तेजी दर्ज की गयी है। दोनों के वायदा भाव आज बढ़त के साथ ही खुले। सोने का वायदा भाव 62,500 रुपये और चांदी वायदा भाव 75 हजार रुपये के करीब है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। आज मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी अनुबंध 57 रुपये बढ़कर 62,533 रुपये के स्तर पर खुला। वहीं एक समय ये अनुबंध 64 रुपये की तेजी के साथ 62,540 रुपये के भाव पर कामकाज कर रहा था। इस समय ये 62,543 रुपये के भाव पर दिन के उच्च स्तर और 62,520 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया। इस महीने सोने का वायदा भाव 64,063 रुपये के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचा था। इसके अलावा आज चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी बढ़त के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क अनुबंध आज 127 रुपये की तेजी के साथ 74,951 रुपये के भाव पर खुला। इस महीने चांदी के वायदा भाव 78,549 रुपये किलो के भाव पर पहुंच गए थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने व चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। कोमेक्स पर सोना 20,53.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला।

राष्ट्रीय पेंशन योजना के लिए राज्यों को मिली 60,000 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी

नई दिल्ली । केन्द्र सरकार ने राज्यों को राष्ट्रीय पेंशन योजना के लिए 60,000 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी दे दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वित्त मंत्रालय के तहत व्यय विभाग ने मंगलवार को राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) के लिए 22 राज्यों को 60,876.8 करोड़ रुपये की अतिरिक्त उधारी को मंजूरी दे दी है। इस रकम की इजाजत सरकार की तरफ से साल 2023-24 के लिए दी गई है। घोषणा के अनुसार यह 2023-24 के लिए शुद्ध उधार सीमा से ज्यादा होगी। राज्यों के लिए सामान्य शुद्ध उधार सीमा उनके सकल राज्य घरेलू उत्पाद की 3 प्रतिशत तय की गई है। जीएसडीपी वर्तमान में 8.59 लाख करोड़ रुपये है। मंत्रालय ने 2023-24 के दौरान ओपन मार्केट से उधारी (ओएमबी) के लिए 6.99 लाख करोड़ रुपये और आपसी सहमति के बाद तय लोन प्राप्त करने के लिए 69,370.81 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी भी दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आई एक पोस्ट के मुताबिक, वित्त मंत्रालय ने राज्य सरकारों के लिए अतिरिक्त उधारी की लिमिट को भी बढ़ा दिया है। अब राज्य सरकारें एनपीएस के लिए 3 फीसदी जीएसडीपी की लिमिट से ज्यादा उधारी ले सकती हैं।

हालांकि इससे पहले जून में, केंद्र ने बिजली क्षेत्र में सुधार के लिए 12 राज्यों को 66,413 करोड़ रुपये के अतिरिक्त वित्तीय प्रोत्साहन को मंजूरी दी थी। केंद्रीय वित्त मंत्री ने केंद्रीय बजट 2021-22 में इस पहल की घोषणा भी की थी।` जिसके तहत, राज्यों को 2021-22 से 2024-25 तक चार साल की अवधि के लिए सालाना जीएसडीपी की 0.5 प्रतिशत तक अतिरिक्त उधार लेने के लिए मंजूरी मिली है। मंगलवार को मंत्रालय ने कहा कि उसने बिजली क्षेत्र में प्रदर्शन से जुड़े 2021-22 में 12 राज्यों को 39,175 करोड़ रुपये और 2022-23 में 6 राज्यों को 27,238 करोड़ रुपये की अतिरिक्त उधार लेने की अनुमति दी है।

26 प्रतिशत की बढ़त के साथ सूचीबद्ध हुआ इंडिया शेल्टर फाइनेंस का शेयर

नई दिल्ली । इंडिया शेल्टर फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड का शेयर लगभग26 प्रतिशत की बढ़त के साथ 493 रुपये के निर्गम मूल्य पर सूचीबद्ध । बुधवार को बीएसई पर कंपनी के शेयर की शुरुआत अपने निर्गम मूल्य से 24.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 612.70 रुपये पर हुई। बाद में यह 26.77 प्रतिशत चढ़कर 625 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर कंपनी का शेयर 25.76 प्रतिशत के उछाल के साथ 620 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। सुबह के कारोबार में कंपनी का बाजार मूल्यांकन 6,236.26 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को शुक्रवार को पेशकश के अंतिम दिन 36.62 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ के तहत 800 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 400 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाई गई है। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 469-493 रुपये प्रति शेयर था।

फरवरी से पहले होगी 100 और खनिज ब्लॉक की नीलामी: प्रहलाद जोशी

नई दिल्ली । कोयला और खान मंत्री प्रहलाद जोशी ने मंगलवार को नेशनल जियोसाइंस डेटा रिपॉजिटरी पोर्टल के उद्घाटन और महत्वपूर्ण खनिजों पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि इन खनिजों के लगभग 100 ब्लॉक नीलामी के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि अगले साल फरवरी से पहले महत्वपूर्ण खनिजों के लगभग 100 और ब्लॉक नीलामी के लिए रखे जाएंगे। देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार कोयला क्षेत्र को निवेशकों और उद्योग जगत के अनुकूल बनाना चाहती है। समुद्र में पाए जाने वाले खनिज ब्लॉक को मार्च और अप्रैल में होने वाली नीलामी में बिक्री के लिए रखा जाएगा। सरकार ने पिछले महीने 45,000 करोड़ रुपये मूल्य के 20 महत्वपूर्ण खनिजों की नीलामी शुरू की थी। देश के आर्थिक विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण खनिजों की अहमियत काफी बढ़ गई है। कार्यक्रम में 45 से अधिक कंपनियों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर खान सचिव वी एल कांता राव ने कहा कि भारत लिथियम ब्लॉक हासिल करने के लिए अर्जेंटीना के साथ बातचीत के अंतिम चरण में है। इसके अलावा लिथियम खदानें हासिल करने के लिए बोलीविया के साथ भी शुरुआती चर्चा चल रही है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में तीन महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक खनिजों के लिए रॉयल्टी दरों को मंजूरी दी है। लिथियम, नायोबियम और आरईई के लिए अनुमोदित रॉयल्टी दरें क्रमशः तीन प्रतिशत, तीन प्रतिशत और एक प्रतिशत तय की गई हैं।

शेयर बाजार भारी गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 931 अंक , निफ्टी 346 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। आज सुबह जहां बाजार में जबरदस्त तेजी रही थी। वहीं समय बीतने के साथ ही ये टूटना शुरु हो गया। रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद दोपहर बाद बाजार में मुनाफावसूली से गिरावट आनी शुरु हो गयी जो अंत तक जारी रही। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 930.88 अंक करीब 1.30 फीसदी नीचे आकर 70,506.31 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स में आज 70,302.60 और 71,913.07 के बीच कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 346.70 अंक तकरीबन 1.62 फीसदी नीचे आया है। इसके साथ ही निफ्टी दिन के अंत में 21,106.40 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में दोपहर के दौरान आज 21,087.35 और 21,593.00 के बीच कारोबार हुआ। सेंसेक्स के 29 शेयर और निफ्टी के 46 शेयर नुकसान पर बंद हुए। अदाणी पोर्ट्स आज 6.4 फीसदी नीचे, अदाणी एंटरप्राइजेज, यूपीएल, कोल

इंडिया, टाटा स्टील, एमएंडएम, एचडीएफसी लाइफ, एचसीएल टेक, आयशर मोटर्स गिरावट पर बंद हुए। इसके अलावा टाटा मोटर्स, एनटीपीसी, एसबीआई, ग्रासिम, अपोलो हॉस्पिटल्स, हिंडाल्को, टेक एम, एलएंडटी, और बजाज फाइनेंस के शेयरों में करीब 2 फीसदी की कमी आई। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली से बाजार की सकारात्मक शुरुआत हुई। आज सुबह तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 200 अंकों से अधिक की बढ़त के साथ 71,648 पर खुला और इसके बाद ये 71,851 के शीर्ष स्तर पर पहुंच गया। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 21,550 के ऊपर नजर आया। आईटी कंपनी टेक महिंद्रा के शेयर दो फीसदी बढ़त के साथ शीर्ष पर पहुंच गये। इसके अलावा विप्रो, टीसीएस और इंफोसिस में भी एक फीसदी से अधिक की बढ़त रही। इसके अलावा रिलायंस, इंडसइंड बैंक और एनटीपीसी के शेयर भी ऊपर आये।

एक महीने में एसबीआई के शेयर ने हा सिल की 17 फीसदी की बढ़ोतरी

-एक शेयर की कीतत 659.50 हुई, मार्केट कैप 6 लाख करोड़ रुपये के करीब पहुंचा

नई दिल्ली ।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के शेयर ने एक माह में 17 फीसदी की बढ़त हो सिल की है। एसबीआई के शेयर मंगलवार को इंट्रा डे ट्रेड में बीएसई पर लगभग 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 659.50 रुपये की नई ऊंचाई पर पहुंच गए। मीडियम टर्म में बेहतर लाभ मिलने की उम्मीदों के बीच फिलहाल इस बैंक के शेयरों में जबरदस्त लिवाली देखने को मिल रही है। पिछले एक महीने में देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (पीएसबी) के शेयर ने 17 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ बाजार से बेहतर प्रदर्शन किया है। इसकी तुलना में एस एंड पी बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी50 लगभग 9 फीसदी ऊपर हैं, जबकि निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स इस अवधि के दौरान 14 फीसदी बढ़ा है। शेयरों की कीमतों में तेज उछाल ने एसबीआई के बाजार पूंजीकरण को 6 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा दिया है। दोपहर 12:34 बजे, एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 5.86 लाख करोड़ रुपये था और यह ऐतिहासिक आंकड़ा हासिल करने से 2 प्रतिशत दूर है। एनएसई और बीएसई पर अब तक संयुक्त रूप से 1.19 करोड़ इक्विटी शेयरों की अदला-बदली के साथ काउंटर पर भारी ट्रेडिंग वॉल्यूम देखा गया। एसबीआई प्रबंधन को उम्मीद है कि पूरे साल क्रेडिट ग्रोथ 14-15 फीसदी के आसपास रहेगी। जबकि रिटेल पिछले कुछ वर्षों में ओवरऑल क्रेडिट ग्रोथ का प्रमुख चालक रहा है, हाल की तिमाहियों में कॉर्पोरेट ऋण भी अच्छी गति से बढ़ रहे हैं।

इस संबंध में एसबीआई के चेयरमैन दिनेश खारा ने कहा है कि बैंक ने असुरक्षित खुदरा ऋण पर अपनी रफ्तार धीमी कर ली है। क्योंकि बैंक स्वस्थ विकास पर अपना ध्यान केंद्रित करेगा।

उन्होंने कहा कि कंपनियों की तरफ से स्थिर मांग के बीच हालांकि ऋण की कुल वृद्धि दर 15 प्रतिशत पर टिके रहने की संभावना है।

एयरबस खरीदने एयर इंडिया ने लिया 12 करोड़ डॉलर का कर्ज

नई दिल्ली । एयर इंडिया ने विमान खरीदने के लिए जापानी एसएमबीसी से 12 करोड़ डॉलर का कर्ज लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जापानी ऋणदाता एसएमबीसी ने बताया कि टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने एयरबस से चौड़े आकार का विमान खरीदने के लिए उससे 12 करोड़ डॉलर का कर्ज लिया है। एसएमबीसी के एक आधिकारिक बयान के अनुसार इस लेन-देन से एयर इंडिया द्वारा एयरबस से ए350-900 विमान की खरीद को आंशिक रूप से फंडिंग किया गया है। बताया जा रहा है कि इस विमान की डिलिवरी अक्टूबर, 2023 में की गई थी। एसएमबीसी ने कहा कि यह कर्ज उसकी सिंगापुर शाखा के माध्यम से एक गारंटी वाली ऋण सुविधा में दिया गया है। जबे कि एयर इंडिया की गिफ्ट सिटी-मुख्यालय वाली इकाई एआई फ्लीट सर्विसेज ने यह कर्ज लिया है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत को किया अलर्ट- कहा बढ़ता कर्ज बढ़ा सकता है मुसीबत

नई दिल्ली ।

भारत पर बढ़ते कर्ज को लेकर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ ने चिंता जाहिर की है। साथ चेतावनी देते हुए कहा है कि केंद्र और राज्यों को मिलाकर भारत का सामान्य सरकारी कर्ज मध्यम अवधि में जीडीपी से 100 फीसदी ऊपर जा सकता है। जिसके चलते नतीजा ये हो सकता है कि भारत को लंबी अवधि में कर्ज चुकाने में काफी दिक्कतें हो सकती हैं। क्योंकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लक्ष्य हासिल करने में देश को बहुत बड़ा निवेश करना होगा। मगर भारत सरकार मानती है कि सरकारी ऋण से जोखिम काफी कम है क्योंकि ज्यादातर कर्ज भारतीय मुद्रा यानी रुपये में ही है।

आईएमएफ में भारत के कार्यकारी निदेशक केवी सुबमण्यन ने एक बयान में कहा कि आईएमएफ का यह दावा अतिशयोक्ति जैसा है कि मध्यम अवधि में ऋण जीडीपी के 100 फीसदी से अधिक पहुंचने का खतरा है। रिपोर्ट में शामिल अपने वक्तव्य में उन्होंने आगे कहा है 'लंबी अवधि में कर्ज चुकाने की क्षमता पर जोखिम के बारे में उसके बयान पर भी यही कहा जा सकता है। सरकारी कर्ज पर बहुत कम जोखिम है क्योंकि ज्यादातर कर्ज स्थानीय मुद्रा में है। बीते दो दशकों में विश्व अर्थव्यवस्था को लगे झटकों के बावजूद भारत का सरकारी ऋण और जीडीपी का अनुपात 2005-06 के 81 फीसदी से बढ़कर 2021-22 में 84 फीसदी हुआ और 2022-23 में वापस घटकर 81 फीसदी हो गया।' आईएमएफ ने कहा कि भारतीय रुपये और अमेरिकी डॉलर की विनिमय दर अक्टूबर 2022 अक्टूबर 2023 के बीच बहुत छोटे दायरे में रही। इसका मतलब है कि केंद्रीय बैंक ने बाजार की स्थिति संभालने के लिए केंद्रीय बैंक ने विदेशी मुद्रा के साथ शायद जरूरत से ज्यादा दखल दे दिया। इसके जवाब में भारत सरकार ने कहा आईएमएफ का यह विश्लेषण ठीक नहीं है और उचित मानदंडों पर आधारित नहीं है। उसने कहा कि विश्लेषण के लिए अवधि का चयन मनमाने ढंग से किया गया है।

एक सरकारी अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर कहा, 'आईएमएफ को भारत की घरेलू मजबूरियां ही नहीं पता। भारत की कुल मुद्रास्फीति में आयातित सामान की महंगाई का बहुत असर है और 1.4 अरब लोगों को यह प्रभावित करती है।

पेमेंट एग्रीगेटर के रूप में काम करने रेजरपे और कैशफ्री को आरबीआई ने दी मंजूरी

नई दिल्ली ।

आरबीआई ने डिजिटल पेमेंट कंपनियों रेजरपे और कैशफ्री को पेमेंट एग्रीगेटर्स के रूप में काम करने के लिए अंतिम मंजूरी दे दी है। आरबीआई से मंजूरी मिलने के साथ ही फिनटेक लगभग एक साल पुराने नियामक प्रतिबंध के बाद नए मर्चेंट्स को शामिल करने में सक्षम हो जाएंगे। इस पर कंपनियों ने कहा कि उन्होंने मंगलवार को आरबीआई से पेमेंट एग्रीगेटर लाइसेंस हासिल कर लिया है। कैशफ्री पेमेंट्स के प्रवक्ता ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया कि नए मर्चेंट्स को अपने साथ जोड़ने पर लगा प्रतिबंध आज हटा लिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कंपनी को आरबीआई से पेमेंट एग्रीगेटर लाइसेंस मिल गया है। अब यह अपने पेमेंट गेटवे पर नए मर्चेंट्स को जोड़ेगा।

बता दें कि पिछले साल दिसंबर में आरबीआई ने रेजरपे और कैशफ्री को नए मर्चेंट्स को अपने साथ जोड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया था। इस मामले में रेजरपे के प्रवक्ता ने कहा कि अब हम अपने पेमेंट गेटवे प्लेटफॉर्म पर नए मर्चेंट्स को जोड़ने के लिए तैयार हैं!

रेजरपे को पेमेंट सेटलमेंट एक्ट 2007 के तहत पेमेंट एग्रीगेटर के रूप में काम करने भारतीय रिज़र्व बैंक से हरी झंडी मिल गई है। नया पीएम लाइसेंस प्राप्त करने के बाद हम अब नए ग्राहकों को जोड़ना फिर से शुरू कर रहे हैं और अपने इंडस्ट्री फर्स्ट पेमेंट सॉल्यूशन के साथ उन्हें सर्विस देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गौरतलब है कि पेयू, पेटीएम, जस्पे जैसी अन्य कंपनियों को अभी तक नए मर्चेंट्स को ऐड करने के लिए आरबीआई से मंजूरी नहीं मिली है। कैशफ्री पेमेंट्स ने कहा कि कंपनी ने ऑडिट पूरा कर लिया है जो चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के आसपास पीए लाइसेंस प्राप्त करने के लिए आवश्यक था। कैशफ्री पेमेंट्स के को-फाउंडर और सीईओ आकाश सिन्हा ने बताया पिछले वर्ष में हम लाइसेंस प्राप्त करने के लिए काम कर रहे थे।

सिन्हा ने कहा कि कंपनी के प्लेटफॉर्म पर 12,000-15,000 से अधिक केवायसी की प्रक्रिया पूरी करने वाले मर्चेंट्स हैं जो लाइव होने के लिए तैयार हैं। उन्होंने आगे कहा कि पिछले साल हमें हर महीने लगभग 30,000 लीड मिल रहे थे। आगामी वर्ष यह संख्या इससे भी अधिक होगी। हम बाजार में नए उत्पाद भी लॉन्च कर रहे हैं।

इस साल कमाई में अंबानी, अदाणी से भी आगे निकलीं सावित्री जिंदल

-ब्लूमबर्ग इंडेक्स के अनुसार कुल संपत्ति सबसे अधिक 9.5 अरब डॉलर तक बढ़ी

नई दिल्ली ।

इस साल 2023 में सावित्री जिंदल ने कमाई के मामले में सब को पीछे छोड़ दिया है। ब्लूमबर्ग इंडेक्स के अनुसार उनकी कुल संपत्ति सबसे अधिक 9.5 अरब डॉलर तक बढ़ी है। इस साल मुकेश अंबानी, गौतम अदाणी या कुमार बिड़ला ने अपनी कुल संपत्ति में सबसे अधिक इजाफा नहीं किया है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार 19 दिसंबर तक, 25.3 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ सावित्री भारत की सबसे अमीर महिला हैं। बता दें कि सावित्री अपने दिवंगत पति ओम प्रकाश जिंदल द्वारा स्थापित 23 अरब डॉलर के ग्रुप ओपी जिंदल ग्रुप को नियंत्रित करती हैं। नई दिल्ली स्थित समूह की जेएसडब्ल्यू स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील एंड पावर, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, जिंदल सॉ और जिंदल स्टेनलेस सहित अन्य में हिस्सेदारी है। इनमें से अधिकांश कंपनियों ने 2023 में भारतीय शेयर बाजारों में तेजी देखी है, जिससे सावित्री की कुल संपत्ति में वृद्धि हुई है। वर्तमान में जेएसडब्ल्यू स्टील में उनकी हिस्सेदारी 7.20 अरब डॉलर है, इसके बाद जिंदल स्टील एंड पावर में 4.72 अरब डॉलर है। ग्रुप के पास जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर में भी 83 फीसदी हिस्सेदारी है, जो इस साल अक्टूबर में सार्वजनिक हुई थी। सूचीबद्ध होने के बाद से, कंपनी के शेयरों में भारतीय शेयर बाजारों में 44 प्रतिशत से अधिक का उछाल आया है।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर में सावित्री की हिस्सेदारी फिलहाल 4.95 अरब डॉलर है। हालों कि धन लाभ के मामले में, 73 वर्षीय सावित्री के बाद रियल एस्टेट डेवलपर डीएलएफ लिमिटेड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी केपी सिंह हैं। सिंह की कुल संपत्ति 2023 में 7.15 अरब डॉलर से बढ़कर 15.4 अरब डॉलर हो गई। यह मुख्य रूप भारतीय शेयर बाजारों में रियल्टी शेयरों में तेजी के कारण हुआ था। इस समय डीएलएफ के शेयर की कीमत 2023 में लगभग 84 प्रतिशत उछली है, जो 2 जनवरी को 380.25 रुपये से बढ़कर 19 दिसंबर को 699.65 रुपये हो गई। सिंह के बाद आदित्य बिड़ला समूह के अध्यक्ष कुमार बिड़ला का नंबर आता है। बिड़ला ग्रुप के पास भारत की सबसे बड़ी सीमेंट निर्माता ग्रासिम इंडस्ट्रीज में एक तिहाई हिस्सेदारी भी है।

दिवालिया गो फर्स्ट को खरीदने में स्पाइस जेट ने दिखाई दिलचस्पी

नई दिल्ली ।

एयरलाइन स्पाइसजेट ने दिवालिया हो चुकी गो फर्स्ट को खरीदने में रुचि दिखाई है। मिली जानकारी के अनुसार कंपनी ने कहा कि उसने गो फर्स्ट का अधिग्रहण करने में रुचि व्यक्त की है और दिवालिया विमानन कंपनी की उचित जांच-पड़ताल के बाद प्रस्ताव पेश करने की योजना बना रही है। बता दें कि गो फर्स्ट ने 'प्रैट एंड व्हिटनी इंजन' समस्याओं के कारण उत्पन्न वित्तीय संकट के बीच तीन मई से उड़ान सेवाएं बंद कर दी थी। वर्तमान में कंपनी अभी दिवाला समाधान प्रक्रिया से गुजर रही है। इधर स्पाइसजेट ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि उसने गो फर्स्ट के समाधान पेशेवर के समक्ष रुचि व्यक्त की है। स्पाइसजेट के साथ संभावित संयोजन से एक मजबूत तथा व्यवहार्य एयरलाइन बनाने की दृष्टि से जांच-पड़ताल करने के बाद वह एक प्रस्ताव प्रस्तुत करना चाहती है। साथ ही कंपनी ने यह भी बताया कि उसके निदेशक मंडल ने अपनी वित्त स्थिति को मजबूत करने और विकास

योजनाओं में निवेश के लिए संसाधन उपलब्ध कराने के मकसद से करीब 27 करोड़ अमेरिकी डॉलर की नई पूंजी जुटाने की प्रक्रिया को हाल ही में स्वीकृति दे दी है।

सात्विक और चिराग को खेलरत्न, शमी और शीतल देवी समेत 26 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन जोड़ी सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को साल 2023 के लिये मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार दिया जायेगा जबकि वनडे विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले क्रिकेटर मोहम्मद शमी और पैरा एशियाई खेलों की चैम्पियन तीरंदाज शीतल देवी समेत 26 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार मिलेगा।

ये पुरस्कार राष्ट्रपति भवन में नौ जनवरी को आयोजित एक विशेष समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू प्रदान करेंगी। उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एएम खानविलकर की अध्यक्षता वाली समिति ने जिन नामों की अनुशंसा की थी उसके आधार पर भारत की नंबर एक बैडमिंटन पुरूष युगल टीम चिराग और सात्विक को सर्वोच्च खेल सम्मान खेलरत्न देने का फैसला किया गया।

इसके अलावा 26 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार दिया जायेगा जिसमें वनडे विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले तैंतीस वर्षीय तेज गेंदबाज शमी शामिल हैं। भारत इस टूर्नामेंट के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गया था।

खेल मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने शमी

का नाम सूची में शामिल करने के लिए विशेष आग्रह किया था। इससे पहले उनका नाम देश के दूसरे सर्वोच्च खेल पुरस्कार के लिए नामित किए गए खिलाड़ियों की सूची में शामिल नहीं था। शमी ने वनडे विश्व कप में केवल सात मैच में सर्वाधिक 24 विकेट हासिल किए थे।

पहले चार मैच में बाहर रहने के बाद शमी को जब मौका मिला तो उन्होंने उसका पूरा फायदा उठाया। शमी के अलावा 25 अन्य खिलाड़ियों को भी अर्जुन पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। इनमें भुजाहीन तीरंदाज शीतल देवी, पुरुष हॉकी खिलाड़ी कृष्ण बहादुर पाठक और सुशीला चानू, तीरंदाज ओजस प्रवीण देवताले और अदिति गोपीचंद स्वामी, मुक्केबाज मोहम्मद हुसामुद्दीन, शतरंज खिलाड़ी आर वैशाली, गोल्फर दीक्षा डागर, निशानेबाज ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, पहलवान अंतिम पंघाल,एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता वुशू खिलाड़ी नाओरेम रोशिबिना देवी और टेबल टेनिस खिलाड़ी अयहिका मुखर्जी शामिल हैं।

प्रशिक्षकों को मिलने वाले द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए गणेश प्रभाकरन

विभिन्न पुरस्कारों के लिए चुने गए खिलाड़ियों की सूची इस प्रकार है

मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार-

सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी (बैडमिंटन)।

अर्जुन पुरस्कार-

मोहम्मद शमी (क्रिकेट), अजय रेड्डी (दृष्टिबाधित क्रिकेट), ओजस प्रवीण देवताले, अदिति गोपीचंद स्वामी (तीरंदाजी), शीतल देवी (पैरा तीरंदाजी), पारुल चौधरी और मुरली श्रीशंकर (एथलेटिक्स), मोहम्मद हुसामुद्दीन (मुक्केबाजी), आर वैशाली (शतरंज), दिव्यकृति सिंह और अनुष अग्रवाल (घुड़सवारी), दीक्षा डागर (गोल्फ), कृष्ण बहादुर पाठक और सुशीला चानू (हॉकी), पिंकी (लॉन बॉल), ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और ईशा सिंह (निशानेबाजी), अंतिम पंघाल और सुनील कुमार(कुश्ती), अयहिका मुखर्जी (टेबल टेनिस),नाओरेम रोशिबिना देवी (वुशू), पवन कुमार और रितु नेगी (कबड्डी), नसरीन (खोखो), हरिंदर पाल सिंह संधू (स्क्वाश), प्राची यादव (पैरा केनोइंग)।

ध्यानचंद जीवन पर्यंत पुरस्कार-

कविता सेल्वराज (कबड्डी), मंजूषा कंवर (बैडमिंटन) विनीत कुमार शर्मा (हॉकी)।

एथलेटिक्स), ललित कुमार (कुश्ती), आरबी रमेश (शतरंज) और शिवेंद्र सिंह (हॉकी) का चयन किया गया है। ध्यानचंद जीवन पर्यंत पुरस्कार के लिए कविता सेल्वराज (कबड्डी), मंजूषा कंवर (बैडमिंटन) और विनीत कुमार शर्मा (हॉकी) को चुना गया है। खेल मंत्रालय ने इस साल के मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार और अर्जुन पुरस्कार का फैसला करने के लिए

इनमें अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायाधीश एएम खानविलकर के अलावा हॉकी खिलाड़ी धनराज पिल्लै, पूर्व टेबल टेनिस खिलाड़ी कमलेश मेहता, पूर्व मुक्केबाज अखिल कुमार, महिला निशानेबाज और वर्तमान राष्ट्रीय कोच शुमा शिरूर, पूर्व क्रिकेटर अंजुम चोपड़ा, बैडमिंटन खिलाड़ी तृप्ति मुरगुंडे और पावरलिफ्टर फरमान पाशा भी समिति में शामिल थे।

आईसीसी रैंकिंग : शुबमन गिल को पीछे छोड़कर नंबर वन बल्लेबाज बनें बाबर आजम

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी ने बुधवार को खिलाड़ियों की ताजा रैंकिंग जारी की है। इसमें भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज शुबमन गिल को एक पायदान का नुकसान हुआ है। जबकि पाकिस्तानी सलामी बल्लेबाज बाबर आजम एक बार फिर से वनडे में नंबर वन बल्लेबाज बने हैं। इसके अलावा रवि विश्नोई को भी भारी नुकसान हुआ है।

बता दें कि, बाबर आजम 824 रेटिंग अंक हैं। वहीं गिल 810 अंक के साथ दूसरे नंबर पर खिसक गए हैं। विराट कोहली 775 अंक के साथ तीसरे नंबर पर जबकि रोहित शर्मा 775 चौथे पायदान पर हैं। इन तीनों भारतीय खिलाड़ियों ने पिछले महीने वर्ल्ड कप 2023 के बाद से कोई भी वनडे मुकाबला नहीं खेला है।

गिल ने वर्ल्ड कप के दौरान बाबर को पीछे छोड़ा था और टॉप पर काबिज हुए थे। फिलहाल भारतीय टीम इस समय साउथ अफ्रीका के दौरे पर है। जहां दोनों टीमों के बीच वनडे सीरीज खेली जा रही है। विराट कोहली और रोहित शर्मा इस टीम का हिस्सा नहीं है। साउथ अफ्रीका के रासी वान डेर डुसेन और हेनरिक क्लासेन को नुकसान झेलना पड़ा है।

पंड्या की मुंबई इंडियंस टीम में नजर आयेंगे आठ नये खिलाड़ी

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सत्र में हार्दिक पंड्या की कप्तानी में उतरने वाली मुम्बई इंडियंस टीम में कई नये खिलाड़ी नजर आयेंगे। दुबई में नये सत्र के लिए हई नीलामी में टीम ने इन खिलाड़ियों को खरीदा है। हाल ही रोहित शर्मा की जगह हार्दिक को टीम की कप्तानी दी गयी थी। नीलामी में मुम्बई टीम ने आठ खिलाड़ियों को खरीदा है। मुंबई इंडियंस की टीम ने नीलामी में दक्षिण अफ्रीका के गेराल्ड कोएट्जी पर सबसे ज्यादा 5 करोड़ रुपये लगाए। इसके अलावा श्रीलंका के दिलशान मदुशंका को 4.6 करोड़ रुपये देकर अपने साथ जोड़ा। वहीं श्रीलंका के ही नुवान तुषारा को 4.80 करोड़ रुपये दिए जबकि अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी पर टीम ने 1.50 करोड़ रुपये में लिया। मुंबई इंडियंस की टीम ने नए सत्र में कप्तान बनाए गए पंड्या को ट्रेड से जरिए हासिल किया था। मुम्बई ने गुजरात टाइटंस की तरफ से पिछले दो सत्र खेलने वाले इस ऑलराउंडर को 15 करोड़ रुपये में जोड़ा है। वहीं मुम्बई ने कई खिलाड़ियों को रिटेन (बरकरार) भी रखा है।

मुंबई ने इन खिलाड़ियों को नीलामी में खरीदा : गेराल्ड कोएट्जी (5 करोड़ रुपये), दिलशान मदुशंका (4.6 करोड़ रुपये), नुवान तुषारा (4.80 करोड़ रुपये), मोहम्मद नबी (1.50 करोड़ रुपये), श्रेयस गोपाल (20 लाख रुपये), शिवालिक शर्मा (20 लाख रुपये), अंशुल कंबोज (20 लाख रुपये), नमन धीर (20 लाख रुपये)।

न्यूजीलैंड ने दूसरे एकदिवसीय मैच में बांग्लादेश को सात विकेट से हराया

नेलसन (एजेंसी)। सोम्य सरकार के शानदार शतक 169 रनों के बाद भी बांग्लादेश को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। इसके साथ ही न्यूजीलैंड ने 3 मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त ले ली है। वहीं इससे पहले कीवी टीम की ओर से हेनरी निकोल्स ने 95 और विल यंग ने 89 रन बनाये। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 128 रन की साझेदारी से सरकार की 169 रन की पारी पर पानी फिर गया। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.5 ओवर में 291 रन बनाए थे। वहीं न्यूजीलैंड ने 46.2 ओवर में ही तीन विकेट पर 296 रन बना कर ये हासिल कर लिया। श्रृंखला के शुरुआती मैच में 105 रन बनाने वाले यंग ने रचिन रविंद्र 33 गेंद में 45 रन के साथ पहले विकट के लिए 76 रन की साझेदारी कर टीम को अच्छी शुरुआत दिलायी। उन्होंने 94 गेंद की पारी में 8 चौके और 2 छक्के लगाए। निकोल्स श्रृंखला के पहले मैच में खाता खोलने में नाकाम रहे थे । उन्होंने 99 गेंद की पारी में 8 चौका और 1 छक्का लगाया। इन दोनों के आउट होने के बाद कप्तान टॉम लैथम 34 और टॉम ब्लंडेल 24 ने 22 गेंद शेष रहते न्यूजीलैंड को सात विकेट की आसान जीत दिला दी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी भारतीय महिला टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम गुरुवार से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रहे एकमात्र टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। भारत को अब तक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक भी टेस्ट में जीत नहीं मिली है। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच में जीत दर्ज करना रहेगा। इंग्लैंड के खिलाफ मिली बड़ी टेस्ट जीत से भारतीय टीम के हौंसले बुलंद हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा।

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम को इस मैच में स्पिनरों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। स्पिनर दीप्ति शर्मा ने पिछले सप्ताह इंग्लैंड के खिलाफ मिली जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

अब अब दीप्ति ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगी। वहीं तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर ने भी नयी गेंद से अच्छा प्रदर्शन किया था। तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर ने भी इंग्लैंड के खिलाफ

तीन विकेट लिये। वहीं बल्लेबाजी में हरमनप्रीत कौर, जेमिमा रौड्रिग्ज और यास्तिका भाटिया ने इंग्लैंड के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी की थी। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना से भी भारत को बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। बल्लेबाज शुभा सतीश फिट नहीं होने के कारण इस मैच में नहीं खेल सकेंगी। पूजा पूनिया कवर के तौर पर भारतीय टीम से जुड़ी है पर हरलीन देयोल ही अवसर मिलना तय है। वहीं दूसरी ओर ऑस्ट्रेलियाई टीम की नई कप्तान एलिसा हीली उसे जीत दिलाना चाहेंगी। टीम के पास बेहतरीन खिलाड़ी हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, जेमिमा रौड्रिग्स, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यास्तिका भाटिया, रिचा घोष, स्नेह राणा, शुभा सतीश, हरलीन देयोल, साइका इशाक, रेणुका सिंह ठाकुर, टिटास साधू, मेघना सिंह, राजेश्वरी गायकवाड, पूजा वस्त्राकर।

ऑस्ट्रेलिया - एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, लौरेन चीटल, हीथर ग्राहम, एशले गार्डनर, किम गार्थ, जेस जोनासेन, अलाना किंग, फोबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, बेथ मूनी, एलिसा पेरी, मेगान शट, अनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वेयरहैम।

बाउंसर के नये नियम से गेंदबाजों को मिलेगा लाभ : उनादकट

मुम्बई । तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट ने कहा है कि आईपीएल के अगले सत्र में नये नियम लाने से गेंदबाजों को लाभ मिल सकता है। इस नये नियम के तहत फेंके जाने वाले बाउंसरों की तादाद बढाई जा सकती है। इसका लक्ष्य बल्ले और गेंद के बीच प्रतिस्पर्धा को संतुलित बनाने का प्रयास माना जा रहा है। नये नीयम तहत बाउंसरों की संख्या को एक से बढ़ाकर दो किया जा सकता है। अभी के नियम के मुताबिक एक गेंदबाज एक से ज्यादा बाउंसर नहीं डाल सकता है। अगर वह ऐसा करता है तो इस गेंद को नो बॉल करार दिया जाता है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस साल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान इस नये नियम का ट्रायल किया गया था। इसके तहत मुश्ताक अली ट्रॉफी में गेंदबाजों को दो बाउंसरों की अनुमति मिली थी। इस नियम को अब आईपीएल 2024 में भी अमल में लाया जा सकता है। उनादकट ने नए नियम का स्वागत करते हुए भविष्यवाणी की कि इससे गेंदबाजों को अतिरिक्त लाभ मिलेगा। उनादकट ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा, मुझे लगता है कि एक ओवर में दो बाउंसर बहुत फायदेमंद होते हैं और मुझे लगता है कि यह उन चीजों में से एक है जो गेंदबाज को बल्लेबाजों पर अतिरिक्त फायदा देता है। एक बाउंसर के नियम के दौरान बल्लेबाज को पता था कि कोई और बाउंसर अब नहीं आएगा। इस मामले में, भले ही आप ओवर के पहले भाग में एक धीमी बाउंसर फेंकते हैं, फिर भी आप एक और बाउंसर से बल्लेबाज को परेशानी में डाल सकते हैं। ऐसे में बल्लेबाजों को मुसीबत का सामना करना पड़ सकता है। उनादकट का कहना है कि इससे गेंदबाजों को यॉर्कर और धीमी गेंदों के अलावा डेथ ओवरों में एक और विकल्प मिलेगा।

भारतीय टीम आज दक्षिण अफ्रीका पर जीत के इरादे से उतरेगी

बोलैंड पार्क (एजेंसी)। भारतीय टीम गुरुवार को यहां होने वाले तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका पर जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच को जीतकर सीरीज पर कब्जा करना रहेगा। भारतीय टीम को इस मैच में अपने सलामी बल्लेबाज रूतुराज गायकवाड़ और बी साइ सुदर्शन से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। सुदर्शन ने पहले दोनों मैचों में 55 और 62 रन बनाये। वहीं रूतुराज अब तक रन नहीं बना पाये हैं। बल्लेबाज तिलक वर्मा भी अब तक उम्मीद के अनुसार नहीं खेल पाये हैं। इस मैच में मध्यक्रम में श्रेयस अय्यर की जगह पर रजत पाटीदार को चौथे नंबर पर उतारा जा सकता है।

बोलैंड पार्क की पिच बल्लेबाजों की सहायक है जिससे भारतीय बल्लेबाजों को लाभ होगा। इस मैच में टीम प्रबंधन विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को एक और अवसर दे सकता है वह पिछले मैच में असफल रहहे थे। गेंदबाजी में मुकेश कुमार दो मैचों में एक भी विकेट नहीं ले सके ऐसे में उन्हें बाहर किया जा सकता है। अर्शदीप सिंह और आवेश खान पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन करने में कामयाब रहे पर अर्शदीप ने दूसरे मैच में भी लय बनाये रखी। इस मैच में टीम प्रबंधन लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल को दे सकता है। टीम प्रबंधन कुलदीप यादव या अक्षर पटेल में से एक को बाहर रखकर चहल को अवसर दे सकता है। कुलदीप और अक्षर टेस्ट टीम का हिस्सा हैं ऐसे में दोनों अधिकतम मैच अभ्यास चाहेंगे। वहीं दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीकी टीम को घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा और वह किसी प्रकार ये मैच जीतने के इरादे से उतरेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत- लोकेश राहुल (कप्तान और विकेटकीपर), रुतुराज गायकवाड़, बी साई सुदर्शन, तिलक वर्मा, रजत पाटीदार, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, अर्शदीप सिंह, अवेश खान,

रिंकू सिंह, आकाश दीप, युजवेंद्र चहल, वाशिंगटन सुंदर।

दक्षिण अफ्रीका -दक्षिण अफ्रीका- एडेन मार्कराम (कप्तान), नांद्रे बरगर, टोनी डि जोर्जी, रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, मिहलाली मपोंगवाना, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, तबरेज शम्सी, रासी वैन डेर डुसेन, काइल वेरिन, लिजाद विलियम्स और ब्यूरान हेंड्रिक्स।

खराब दौर से गुजर रहे पूर्व डब्ल्यूडब्ल्यूई चैम्पियन जोस अल्बर्टो

लंदन। डब्ल्यूडब्ल्यूई चैम्पियन रहे रैसलर जोस अल्बर्टो रोड्रिग्ज चुकुआन आजकल बेहद बुरे दौर से गुजर रहे हैं। आर्थिक बदहाली के कारण वह स्कूल में अपने कौशल का प्रदर्शन करने को मजबूर हैं। साल 2010 में डब्लयूडब्लयूई से जुड़कर सफलता के शीर्ष पर पहुंचने वाले अल्बर्टो का असली नाम जोस अल्बर्टो रोड्रिग्ज है, उन्हें आजकल एक हाई स्कूल में कार्यक्रम पेश करते देखा जा रहा है। अपने करियर के दौरान उन्होंने जॉन सीना, रैंडी ऑर्टन और सीएम पंक जैसे दिग्गजों का सामना किया था। वहीं अब इस डब्ल्यूडब्लयूई और वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियनशिप विजेता की हालत देखकर सभी हैरान हैं। अल्बर्टो के करियर में पतन का दौरा साल 2016 में शुरु हो गया था। वह डब्लयूडब्लयूई से हटकर पेशेवर रैसलर की भूमिका में पहुंच गये थे पर मई 2020 में सैन एंटोनियो, टेक्सास में अपनी प्रेमिका के साथ मारपीट और यौन उत्पीड़न के आरोपो के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। उनपर एक मुकद्दमा भी लगा था। अदालत ने बाद में उन्हें 50,000 डॉलर की जमानत पर रिहा किया था। इस मामले में उन्हें कई तरह की परेशानियों से भी गुजरना पड़ा था। अल्बर्टो को अब एल पैट्रन के नाम से जाना जाता है। वह फिलहाल छोटे हॉल शो में प्रतिस्पर्धा कर रहा है।

25 से ज्यादा खिलाड़ियों पर किसी भी टीम ने नहीं लगायी बोली

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए दुबई में हुई बोली में जहां कई खिलाड़ियों को करोड़ों की राशि मिली। वहीं कई खिलाड़ी ऐसे भी रहे जिन्होंने अपनी कीमत तो करोड़ों में लगायी थी पर उन्हें किसी भी टीम ने एक भी पैसा नहीं दिया। नीलामी में कुछ अनकैप्ड खिलाड़ी भी 7-8 करोड़ रुपए तक हासिल करने में सफल रहे पर 25 से ज्यादा ऐसे खिलाड़ी भी रहे, जो उतरे तो करोड़ों की उम्मीद लेकर थे पर आईपीएल टीमों ने इन पर रकम नहीं लगायी। इन खिलाड़ियों ने अपना बेस प्राइस ही एक करोड़ से ज्यादा रखा था। इनमें दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ, जोश हेजलवुड जैसे जैसे खिलाड़ी भी शामिल थे। ऑस्ट्रेलिया के स्मिथ, हेजलवुड जैसे 9 क्रिकेटर ऐसे थी, जिन्होंने अपना बेस प्राइस ही 2 करोड़ रुपए तय कर रखा था पर किसी ने भी इना पर रकम नहीं लगायी। जोश इंग्लिस, आदिल राशिद, रासी वान डर डुसेन, जेम्स विन्स, शॉन एबॉट, जैमी ओवर्टन और बेन डकेट को किसी भी टीम ने नहीं खरीदा। आईपीएल की 10 फ्रेंचाइजी में से एक ने भी इन 8 खिलाड़ियों पर बोली नहीं लगाई। इनमें हेजलवुड जैसे खिलाड़ी की उपेक्षा से सभी हैरान हैं क्योंकि उनके साथी गेंदबाज मिचेल स्टार्क और पैट कमिंस को 20 करोड़ रुपए से अधिक की राशि प खरीदा गया है। इसी प्रकार 8 खिलाड़ियों ने अपना बेस प्राइस 1.50 करोड़ रुपए रखा था पर किसी भी आईपीएल टीम ने उनपर रकम नहीं लगायी। ऐसे में ये सभी खिलाड़ी बिना बिके ही रह गये। इसके अलावा टिम साउदी, जेसन होल्डर, जेम्स नीशम, फिल सॉल्ट, कॉलिन मुनरो, डेनियल सैम्स, क्रिस जॉर्डन और टाइमल मिल्स को भी किसी ने नहीं खरीदा। . काइल जैमिसन समेत 9 खिलाड़ियों ने अपना बेस प्राइस 1 करोड़ रुपए रखा था पर इन किसी भी आईपीएल टीम ने बोली नहीं लगाई। इनमें काइल जैमिसन, एश्टन एगर, माइकल ब्रेसवेल, सैम बिलिंग्स, ड्वेन प्रिटोरियस, रिली मेरेडिथ, एडम मिल्ने, वेन पर्नेल और डेविड वीसे शामिल हैं। 50 लाख से ज्यादा आधार मूल्य वाले मैट हेनरी, कीमो पॉल, दुष्मंथा चमीरा, ओडियन स्मिथ, करुण नायर, कुसल मेंडिस, ईश सोढ़ी को भी किसी ने नहीं खरीदा।

नीलामी में गलती के कारण हंसी का पात्र बनी पंजाब किंग ?स

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के लिए हुई छोटी नीलामी में अपनी एक गलती के कारण पंजाब किंग्स की टीम को नुकसान हुआ है। पंजाब किंग्स ने यहां गलती से एक ऐसे खिलाड़ी को खरीद लिया जिसे वह नहीं खरीदना चाहती थी। अपनी गलती पता चलने पर पंजाब के मालिक नेस वाडिया और प्रीति जिंटा ने नीलामीकर्ता मल्लिका सागर को बताया पर तब तक देर हो गयी थी। इसकारण पंजाब किंग्स को कह दिया गया कि अब उसे इस खिलाड़ी को बनाये रखना पड़ेगा क्योंक नीलामी हो चुकी है। दुबई में नीलामी के दौरान नीलामी कर्ता मल्लिका सागर ने शशांक सिंह का नाम लिया। शशांक घरेलू क्रिकेट में छत्तीसगढ़ के लिए खेलते हैं और सनराइजर्स की ओर से रिलीज किए आने के बाद से ही आईपीएल सीजन 2023 में नहीं बिके थे पर इस बार उन्हें गलती से पंजाब किंग्स ने 20 लाख रुपये के बेप्राइज पर खरीद लिया। पंजाब किंग्स शशांक के लिए बोली लगाने वाली एकमात्र टीम रही। ऐसे में नीलामीकर्ता मल्लिका सागर ने हैमर डाउन करके जैसे ही शशांक के पंजाब किंग ?स की ओर से खरीदे जाने की घोषणा की। टीम को अपनी गलती का पता चला। इसपर टीम मालिक नेस वाडिया और प्रीति जिंटा ने सागर को बताया कि वे किसी अन्य खिलाड़ी को शशांक समझ बैठे थे और गलती से इस खिलाड़ी को खरीद लिया है लेकिन नीलामीकर्ता ने साफ कह दिया कि यह फैसला अब बदला नहीं जा सकता और पंजाब की फ्रेंचाइजी अपने फैसले से पीछे नहीं हट सकती। नेस और प्रीति जिंटा बोली को वापस लेना चाहते थे पर नियमों के अनुसार हैमर डाउन होने के बाद ऐसा नहीं किया जा सकता।

पंड्या की जगह लेना कठिन लेकिन गुजरात की कप्तानी के लिये गिल सही: नेहरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा ने स्वीकार किया कि हार्दिक पंड्या जैसे बहुमुखी प्रतिभा के धनी खिलाड़ी की जगह ले पाना कठिन है लेकिन शुभमन गिल अगले आईपीएल में इस जिम्मेदारी को संभालने में सक्षम है। पंड्या ने मुंबई इंडियंस टीम में वापसी की है और उन्हें कप्तान बनाया गया है। नेहरा ने मंगलवार की रात वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' हार्दिक पंड्या जैसे खिलाड़ी की जगह ले पाना कठिन है। हमने देखा है कि पिछले तीन चार साल में गिल ने कितनी प्रगति की है। वह 24. 25 साल का है लेकिन इस जिम्मेदारी को उठाने में सक्षम है।'' उन्होंने कहा कि अगले आईपीएल का नतीजा चाहे जो हो, टीम गिल का समर्थन करती रहेगी। उन्होने कहा ,'' हमें उन पर भरोसा है और इसी वजह से उन्हें कप्तान बनाया गया है। मैं हमेशा नतीजों पर नहीं जाता। नतीजे अहम हैं लेकिन कप्तानी के समय दूसरी चीजों को भी देखा जाता है। हमें यकीन है कि गिल कप्तानी के लिये सही हैं।'' दुबई में हुई नीलामी में टाइटंस ने मिचेल स्टार्क ने भारी दांव लगाया। आखिर में कोलकाता नाइट राइडर्स ने उसे 24 . 75 करोड़ रूपये में खरीदा। नेहरा ने कहा ,'' आईपीएल में महंगा जैसा कुछ नहीं होता। सभी को पता है कि स्टार्क क्या कर सकता है। हमें एक तेज गेंदबाज की जरूरत थी और हर टीम की अलग रणनीति होती है। हमारे पास जो है, उसी से संतुष्ट रहना चाहिये। स्टार्क जैसे गेंदबाज के लिये यह दाम हैरानी वाले नहीं हैं।'' मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच मार्क बाउचर ने कहा कि वह अपने तेज आक्रमण से खुश हैं।

उन्होंने कहा ,'' हमने दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी को चुना क्योंकि वह युवा और आने वाले समय का सुपरस्टार होगा। वहीं श्रीलंकाई तेज गेंदबाज दिलशान मधुशंका नयी और पुरानी दोनों गेंद से प्रभावी है।'' दिल्ली कैपिटल्स ने इंग्लैंड के मध्यक्रम के बल्लेबाज हैरी ब्रूक को चार करोड़ रूपये में खरीदा। मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कहा ,'' हैरी ब्रूक इस समय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे प्रतिभाशाली क्रिकेटरों में से है। हम उसे लेने की सोच कर ही गए थे और उसे हासिल भी किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मध्य भारत का खूबसूरत पर्यटन स्थल

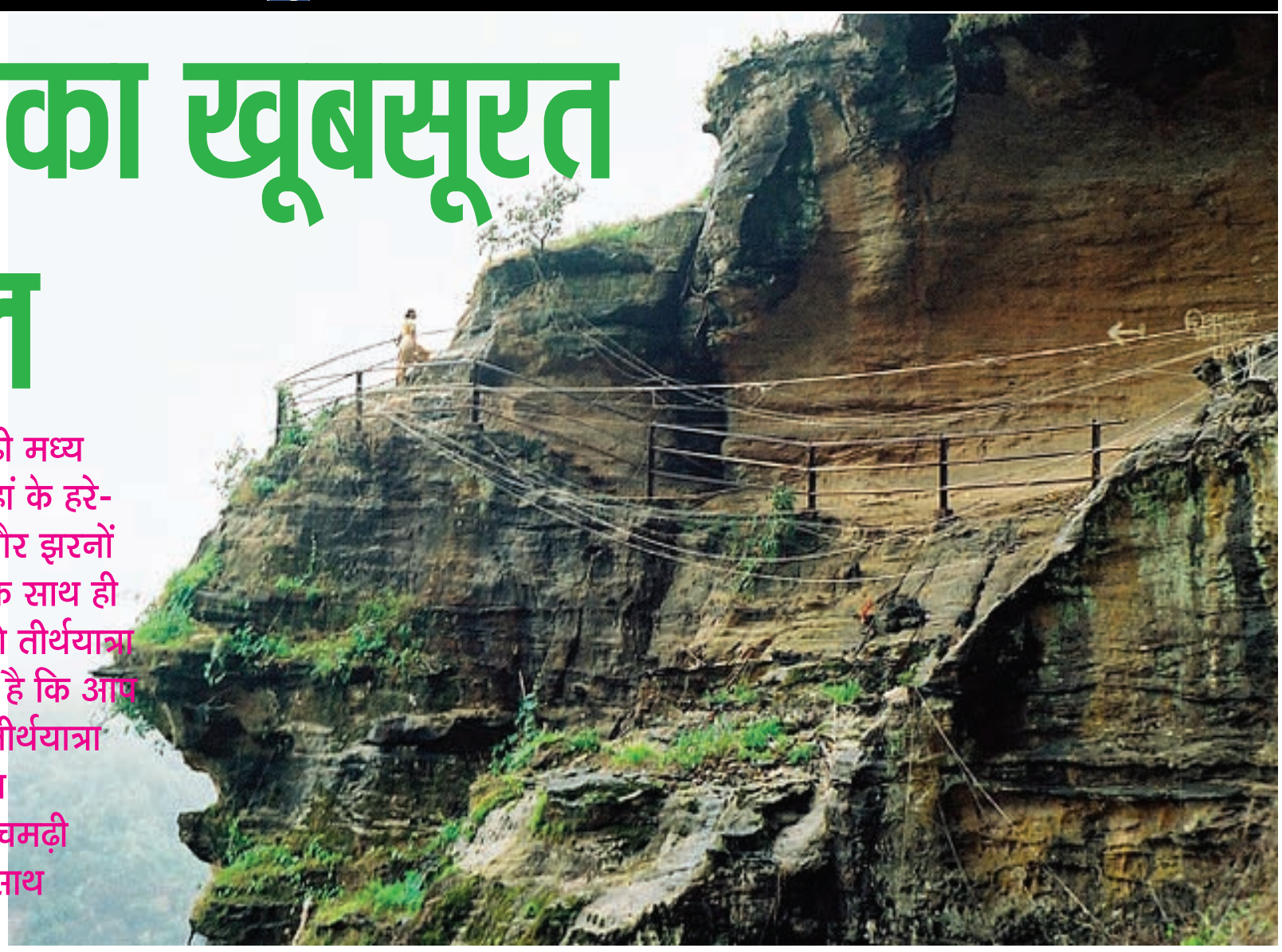

मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले में स्थित पचमढ़ी मध्य भारत का सबसे खूबसूरत पर्यटन स्थल है। यहां के हरे-भरे और शांत वातावरण में बहुत-सी नदियों और झरनों के गीत पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। इसके साथ ही यहां शिवशंकर के कई मंदिर भी है, जो आपको तीर्थयात्रा का सुकून देते हैं। वैसे तो ऐसा बहुत कम होता है कि आप कहीं छुट्टी मनाने जाएं और लगे हाथ आपकी तीर्थयात्रा भी हो जाए। लेकिन यकीन मानिए, अगर आप मध्यप्रदेश के एकमात्र पर्वतीय पर्यटन स्थल पचमढ़ी जाएंगे, तो प्रकृति का भरपूर आनंद उठाने के साथ आपकी तीर्थयात्रा भी हो जाएगी।

पचमढ़ी

महादेव का दूसरा घर पचमढ़ी, दरअसल, पचमढ़ी को कैलाश पर्वत के बाद महादेव का दूसरा घर कह सकते हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भस्मासुर (जिसे खुद महादेव ने यह वरदान दिया था कि वह जिसके सिर पर हाथ रखेगा वह भस्म हो जाएगा और भस्मासुर ने यह वरदान खुद शिवजी पर ही आजमाना चाहा था) से बचने के लिए भगवान शिव ने जिन कंदाराओं और खोहों की शरण ली थी वह सभी पचमढ़ी में ही हैं।

शायद इसलिए यहां भगवान शिव के कई मंदिर दिखते हैं। पचमढ़ी पांडवों के लिए भी जानी जाती है। यहां की मान्यताओं के अनुसार पांडवों ने अपने अज्ञातवास का कुछ काल यहां भी बिताया था और यहां उनकी पांच कुटिया या मढ़ी या पांच गुफाएं थीं जिसके नाम पर इस स्थान का नाम पचमढ़ी पड़ा है।

पचमढ़ी - सतपुड़ा की रानी : पौराणिक कथाओं से बाहर आकर आज की बात करें तो मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले में स्थित पचमढ़ी समुद्रतल से 1,067 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। सतपुड़ा की पहाड़ियों के बीच होने और अपने सुंदर स्थलों के कारण इसे सतपुड़ा की रानी भी कहा जाता है।

सतपुड़ा के घने जंगल : सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान का भाग होने के कारण यहां चारो ओर घने जंगल हैं। पचमढ़ी के जंगल खासकर जंगली भैंसे के लिए प्रसिद्ध हैं। इस स्थान की खोज कैप्टन जे. फॉरसोथ ने 1862 में की थी। पचमढ़ी की गुफाए पुरातात्विक महत्व की हैं क्योंकि इन गुफाओं में शैलचित्र भी मिले हैं।

पचमढ़ी से निकलकर जब आप सतपुड़ा के घने जंगलों में जाएंगे तो आपको बाघ, तेंदुआ, सांभर, चीतल, गौर, चिंकारा, भालू आदि अनेक प्रकार के जंगली जानवर मिलते हैं। पचमढ़ी का ठंडा सुहावना मौसम इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। सर्दियों में यहां तापमान लगभग 4 से 5 डिग्री तक रहता है और गर्मियों में तापमान 35 डिग्री से अधिक नहीं जाता।

यहां की सदाबहार हरियाली घास और हर्रा, जामुन, साज, साल, चीड़, देवदारु, सफेद ओक, यूकेलिप्टस, गुलमोहर, जेकेरेंडा और अन्य छोटे-बड़े सघन वृक्षों से आच्छादित वन गलियारे तथा घाटियां मनमोहक है।

लोकप्रिय जलप्रपात : यहां आप कई जलप्रपात का मजा ले सकते हैं जिसमें रजत प्रपात, बी फॉल्स तथा डचेज फॉल्स सबसे लोकप्रिय हैं। इसका बी फॉल्स नाम इसलिए पड़ा है क्योंकि पहाड़ी से गिरते समय यह झरना बिलकुल मधुमक्खी की तरह दिखता है। यह पिकनिक स्पॉट भी है, जहां आप नहाने का भी मजा ले सकते हैं। रास्ते में आम के पेड़ बहुतायत में दिखते हैं। डचेज फॉल पचमढ़ी का सबसे दुर्गम स्पॉट है। यहां जाने के लिए करीब डेढ़ किलोमीटर का सफर पैदल तय करना पड़ता है। इसमें से 700 मीटर घने जगलों के बीच से और करीब 800 मीटर का रास्ता पहाड़ पर से सीधा ढलान का है।

पांडवों की गुफा : पचमढ़ी में आपके घूमने की शुरुआत पांडवों की गुफा से होती है। एक छोटी पहाड़ी पर ये पांचों गुफाएं हैं। वैसे इन्हें बौद्धकालीन गुफाएं भी कहा जाता है।

शिवशंकर के प्रसिद्ध मंदिर : भगवान शिवशंकर के दर्शन के लिए आपको एक पूरा दिन देना पड़ सकता है क्योंकि यहां उनके मंदिर ही सबसे अधिक हैं जिनमें सबसे प्रसिद्ध हैं, जटाशंकर महादेव और गुप्त महादेव।

गुप्त महादेव जाने के लिए दो बिलकुल सटी हुई पहाड़ियों के बीच से गुजरना होता है जबकि जटाशंकर मंदिर पचमढ़ी बस स्टैंड से महज डेढ़ किलोमीटर दूर है और वहां जाने के लिए पहाड़ी से नीचे उतरकर खोह में जाना होता है। कहा जाता है कि भस्मासुर से बचने के लिए ही भोले शंकर इन दोनों जगहों पर छिपे रहे थे।

इसके अलावा तीसरा प्रसिद्ध मंदिर महादेव मंदिर है जिसके बारे में मान्यता है कि भस्मासुर से बचते हुए अंत में शिवजी यहां छिपे और यहीं पर भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप लेकर भस्मासुर को अपने ही सिर पर हाथ रखने के लिए मजबूर कर उसका विनाश किया था। इन मंदिरों, जलप्रपातों के अलावा डोरोथी डीप रॉक शेल्टर, जलावतरण, सुंदर कुंड, इरन ताल, धूपगढ़, सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान आदि भी घूमने की जगहें हैं।

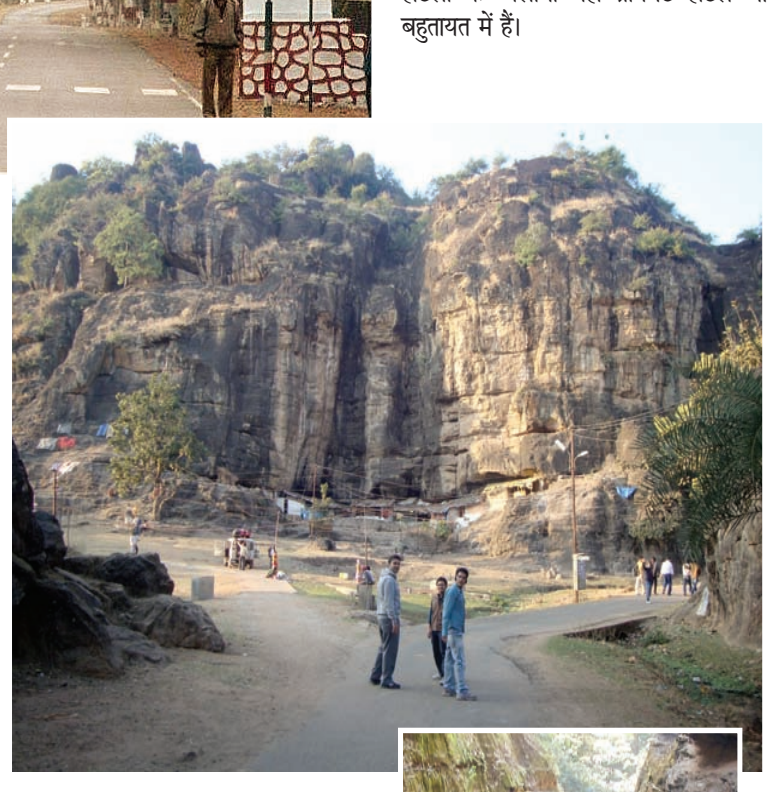

सबसे ऊंची चोटी धूपगढ़ : प्रियदर्शिनी प्वाइंट से सूर्यास्त का दृश्य लुभावन लगता है। तीन पहाड़ी शिखर की बाईं तरफ चौरादेव, बीच में महादेव तथा दाईं ओर धूपगढ़ दिखाई देते हैं। इनमें धूपगढ़ सबसे ऊंची चोटी है। पचमढ़ी से प्रियदर्शिनी प्वाइंट के रास्ते में आपको नागफनी पहाड़ मिलता है जिसका आकार कैक्टस की तरह है और यहां कैक्टस के पौधे बहुतायत में हैं।

पचमढ़ी प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से संपन्न क्षेत्र है। एक तथ्य का ध्यान रखें कि पचमढ़ी कैंटोनमेंट क्षेत्र है और यहां के जंगलों में जाने के लिए आपको गाइड लेना अनिवार्य है।

कैसे जाएं : अगर आप दिल्ली से जा रहे हैं तो आपको पहले भोपाल पहुंचना होगा। यहां से पचमढ़ी की दूरी 211 किलोमीटर है और यह दूरी तय करने के लिए बसें मिलती रहती हैं। ये 211 किलोमीटर अगर अपनी गाड़ी से तय करें तो अति उत्तम। वैसे पचमढ़ी का नजदीकी रेलवे स्टेशन पिपरिया है जो कि पचमढ़ी से 52 किलोमीटर दूर है।

कहां ठहरें : मध्यप्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल होने के कारण होटलों के मामले में पचमढ़ी बेहद समृद्ध है। यहां पंजाबी के अलावा जैन, गुजराती और मराठी व्यंजन भी आसानी से उपलब्ध हैं, क्योंकि साल में एक बार यहां मेला लगता है जिसमें पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र और गुजरात के लोगों की भागीदारी सबसे अधिक होती है। मध्यप्रदेश टूरिज्म के होटलों के अलावा यहां प्रायवेट होटल भी बहुतायत में हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विरोध-प्रदर्शन करने पर पुलिस सुरक्षा बल भेजने की लागत का बिल देना होगा, अर्जेंटीना की सरकार का नया नियम

वाशिंगटन। अर्जेंटीना की सरकार ने विरोध प्रदर्शन के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। विपक्षी दल नए कानून के आने के बाद चिंता में है, उनका मानना है कि इससे विरोध के अधिकार पर आंच आएगी। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जेवियर मिलेई और उनके सहयोगी ने देश की मुद्रा का अवमूल्यन करीब पचास फीसदी तक कर दिया है। यानी मुद्रा का कमजोर किया है। इस कदम को मिलेई सरकार आर्थिक सुधार की ओर एक कदम बताती है। लेकिन इस फैसले से देश में कई लोग नाराज हैं। इन लोगों से निपटने के लिए सरकार ने नए दिशा-निर्देश बनाए हैं। विरोध करने वाले व्यक्तियों और संगठनों की पहचान वीडियो, डिजिटल या मैन्युअल जरिए की जाएगी और फिर उनके प्रदर्शनों पर पुलिस सुरक्षा बल भेजने की लागत का बिल दिया जाएगा। यानी विरोध करने वाले लोगों पर पुलिस के खर्चों का बिल दिया जाएगा। नए नियमों का मकसद विरोध के पारंपरिक तरीके को रोकना है जिसे पिकेट कहा जाता है। पिकेट के मुताबिक प्रदर्शनकारी शहर की सड़कों और हाइवे को घंटों तक या फिर कई दिनों तक और कभी-कभी हफ्तों तक रोक देते हैं। बुलरिच ने कहा, हम कई सालों से पूरी तरह अव्यवस्था में जी रहे हैं। अब समय आ गया है कि इस सिस्टम को खत्म करे। हालांकि सरकार ने फुटपाथ पर विरोध प्रदर्शन की मंजूरी दे दी है। लेकिन मानवाधिकार कार्यकर्ता और विपक्षी पार्टी इन नियमों को वैध नहीं मानती हैं। उनका मानना है कि इस नियम से विरोध का कोई मतलब ही नहीं रह जाएगा और अगर कोई जायज विरोध करेगा तब उस उसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

चीन से दूर, भारत से संबंध सुधरे, पाकिस्तानी सेना प्रमुख को अमेरिका की दो टूक

वाशिंगटन। अमेरिका ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर को नसीहत देकर कहा कि पाकिस्तान को चीन से दूर रहना चाहिए है। साथ ही भारत से संबंध सुधारने को लेकर भी मुनीर को अल्टीमेटम दिया गया है। अमेरिका दौरे पर पाकिस्तान के सेना प्रमुख मुनीर ये सोच कर पहुंचे थे कि वाशिंगटन से उन्हें मदद की भीख मिलेगी और पाकिस्तान पर अमेरिका तरस खा लेगा। लेकिन इसके उल्टे अमेरिका ने पाकिस्तान को सबसे बड़ा रियलिटी चेक दे दिया। अमेरिका में बाइडेन प्रशासन ने भारत को लेकर एक कड़ी और बड़ी नसीहत पाकिस्तान को दी है। अमेरिका ने साफ शब्दों में कहा है कि पाकिस्तान चीन की पैठ को केवल आर्थिक गलियारे तक ही सीमित रखे, चीन को अपने सुरक्षा व्यवस्था तक नहीं पहुंचने दे। इसके साथ ही भारत के साथ शांति स्थापित करने की कोशिश भी बनाने को पाकिस्तान को कह दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका द्वारा चीन को पाकिस्तान में सिर्फ आर्थिक गलियारे तक ही सीमित रहने को कहा गया है। इसके अतिरिक्त चीन को किसी भी तरह के सिक्युरिटी सेटअप तक पहुंचने न देने को कहा गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अमेरिका का ये कदम पाकिस्तान में चीनी सुरक्षा चौकियों को रोकने के लिए है। बता दें कि चीन ने पाकिस्तान में काम करने वाले अपने नागरिकों के लिए बलूचिस्तान के ग्वादर में चौकियां बनाने और अपने लड़ाकू विमानों के लिए ग्वादर हवाई अड्डे के उपयोग करने की मांग की है।

भारतीय मूल के दो लोगों को 34 साल की सजा, मादक पदार्थों की तस्करी का था आरोप

लंदन। ब्रिटेन में मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में दोषी भारतीय मूल के दो व्यक्तियों को कुल 34 साल कैद की सजा सुनाई गई है। लंदन की एक निचली अदालत ने दोनों को अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका से कृषि उत्पादों के बीच छिपाकर मादक पदार्थों की तस्करी करने का दोषी पाया गया। आनंद त्रिपाठी (61) और वरुण भारद्वाज (39) को सिगरेट पर देय आयात शुल्क की चोरी का दोषी भी ठहराया गया है। यह सिगरेट चेन्नई, मुंबई से बॉम्बे मिक्स स्नैक्स और श्रीलंका से नारियल के खोल का उपयोग कर चटाई बनाने वाली कंपनी के उत्पादों के बीच लाई जाती है। ब्रिटेन की क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस (सीपीएस) ने कहा कि दोनों ने मादक पदार्थों और सिगरेट वाले शिपिंग कंटेनर को खाली करने और उन्हें अपने इच्छित गंतव्य से अपने नियंत्रण वाले गोदाम में ले जाने के लिए अपनी कंपनी का उपयोग कवर के रूप में किया था।

प्रवासी आगमन से जनसंख्या में रिकार्ड वृद्धि

ओटावा। कनाडा में मौजूदा वर्ष के पहले नौ महीनों में बड़ी संख्या में प्रवासियों के आने से जनसंख्या में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई। सूत्रों ने कहा कि एक अक्टूबर को कनाडा की जनसंख्या 4,05,28,396 होने का अनुमान लगाया गया। इस तरह इसमें एक जुलाई से 4,30,635 लोगों यानी 1.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। साल 1957 की दूसरी तिमाही में 1.2 प्रतिशत की वृद्धि के बाद यह किसी भी तिमाही में सबसे अधिक जनसंख्या वृद्धि दर थी, जब कनाडा की जनसंख्या में 198,000 लोगों की वृद्धि हुई थी। उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में 0.5 प्रतिशत की कमी को छोड़कर, सभी प्रांतों और क्षेत्रों में जनसंख्या में वृद्धि हुई। आंकड़े के अनुसार जनसंख्या वृद्धि का मुख्य कारक 'अंतरराष्ट्रीय आव्रजन' को बताया गया है। कनाडा में तीसरी तिमाही में दूसरे देशों से 107,972 प्रवासी आए।

नासा ने दिखाया मानव रहित विमान का चांद से धरती पर लौटने तक का सफर

वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मानव रहित विमान का चांद से धरती पर लौटने तक का पूरा सफर दिखाया है। नासा ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें उसने अपने मानव रहित विमान की चांद से धरती पर सफल लैंडिंग कराई। इस स्पेस क्राफ्ट के पूरे सफर को नासा ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। दरअसल इस विमान में कैमरा फिट किया गया था। जिसकी मदद से नासा चांद से धरती पर लौटने के पूरे सफर को वीडियो के जरिए बताने में सफल रहा। नासा ने बताया कि यान ने चांद से धरती पर लौटने के दौरान 2800 डिग्री सेल्सियस तक का तापमान भी सहा, जो सूर्य की सतह का लगभग आधा है। नासा द्वारा शेयर किए गए वीडियो में दिख रहा है कि कैसे उसका मानव रहित विमान चांद की सैर करके धरती पर सफलतापूर्वक लैंड करता है। नासा ने वीडियो के कैप्शन में बताया है कि कैसे बीच सफर के दौरान विमान को क्या-क्या कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। नासा ने कैप्शन में लिखा, 11 अक्टूबर 2022 को चांद के चारों ओर 1.4 मिलियन मील की यात्रा करीब 25 दिन में पूरी करने के बाद हमारे मानव रहित ओरियन अंतरिक्ष यान पृथ्वी के वायुमंडल में फिरसे प्रवेश किया। जल्द ही इंसान को भी चांद पर भेजा जाएगा। यह विमान प्रशांत महासागर में पूर्व नियोजित स्थान पर गिरा है। नासा ने आगे बताया कि कैसे धरती पर वायुमंडल में प्रवेश के दौरान, अंतरिक्ष यान ने लगभग 5,000एफेरेनहाइट (2,800एसेग्रे.) तापमान को सहन किया। यह सूर्य की सतह से लगभग आधा तापमान है। लगभग 25,000 मील प्रति घंटे (40,000 किलोमीटर प्रति घंटे) से इसने 16 मील प्रति घंटे मतलब 26 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पर धरती पर लैंडिंग की।

रूसी रक्षा मंत्री का बड़ा दावा- कहा यूक्रेन के पौने चार लाख से अधिक सैनिक मारे गए

मॉस्क। रुस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से चल रही जंग में लाखों लोगों की मौत हुई है। इस जानमाल के नुकसान की भरपाई करना असंभव है। कई लोग बेघर हो गए हैं तो कई पलायन को मजबूर हुए है। इसी बीच रुस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु ने दावा करते हुए कहा है कि इस युद्ध में यूक्रेन के अब तक 3 लाख 83 हजार सैनिक मारे जा चुके हैं। इनमें से इसी साल जून से लेकर अब तक मारे गए यूक्रेनी सैनिकों की सख्या 1.59 लाख बताई गई है. ये वे सैनिक है जो लगातार हो रहे रूसी हमलों से देश को बचाने की कोशिश में लगे हैं। यूक्रेन के कई इलाकों पर रूस का कब्जा हो चुका है। फिर भी यूक्रेन हथियार डालने के मूड में नहीं है। वह लगातार रूस का मुकाबला कर रहा है। अमेरिका समेत अन्य पश्चिमी देश भी खुलकर उसका समर्थन कर रहे हैं। हालांकि रूस से लगातार हो रहे युद्ध के चलते यूक्रेन को खासा नुकसान उठाना पड़ रहा है। खास तौर से रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु ने हाल ही में जो यूक्रेनी सैनिकों के मारे जाने का आंकड़ा जारी किया है वह बेहद ही चौंकाने और डराने वाला है। रूस ने सिर्फ यूक्रेन के ही सैनिक नहीं मारे, बल्कि यूक्रेन की तरफ से लड़ रहे विदेशी लड़ाकों को भी मारा गया। रूसी रक्षा मंत्री का दावा है कि यूक्रेन की ओर से जंग लड़ रहे अब तक 5800 विदेशी लड़ाके मारे जा चुके है। इनमें 1427 लड़ाके पौलेंड के हैं, 466 अमेरिका के हैं और 344 ब्रिटिश नागरिक शामिल हैं। हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने दावा किया था कि यूक्रेन में रूस के 6 लाख से ज्यादा सैनिक लड़ रहे हैं। पुतिन के मुताबिक अब तक युद्ध के लिए तीन लाख लोगों को सेना में बुलाया गया है।

सीरिया में त्योहारों की तैयारी के लिए की गयी सजावट के बीच ही एक लड़की सेल्फी लेती हुई।

अदालत ने ट्रंप को दिया बड़ा झटका, अब नहीं लड़ पाएंगे राष्ट्रपति का चुनाव

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले साल होने वाले राष्ट्रपति के चुनाव की तैयारी में रात दिन मेहनत कर रहे हैं। उनके कठिन परिश्रम का ही परिणाम है कि राष्ट्रपति पद पर नामांकन के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवारों में, वे सबसे आगे बताए जा रहे हैं। इसी बीच अदालत के एक निर्णय ने उन्हे बड़ा झटका दे दिया है। कोलोराडो की सुप्रीम कोर्ट ने 6 जनवरी, 2021 को हुई कैपिटल हिंसा मामले में मंगलवार को ट्रंप को यह फैसला सुनाया है। उधर, डोनाल्ड ट्रम्प टीम की ओर से कहा गया है कि कोलोराडो सुप्रीम कोर्ट का फैसला पूरी तरह से त्रुटिपूर्ण निर्णय है और इस फैसले के खिलाफ जल्द ही अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की जाएगी। ट्रंप टीम ने 6 जनवरी के कैपिटल हिल हिंसा मामले में कुछ भी गलत करने से इनकार किया है और 14वें संशोधन के मुकदमों को कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग बताया है। ट्रंप के अभियान टीम की ओर से कहा गया है कि राज्य सुप्रीम कोर्ट का फैसला केवल कोलोराडो पर लागू होता है लेकिन ऐतिहासिक फैसला 2024 के राष्ट्रपति अभियान पर शासन करेगा। ट्रंप पर आया यह फैसला वकील समूहों और ट्रम्प विरोधी मतदाताओं की जीत है, जिन्होंने 14वें संशोधन की धारा 3 के तहत ट्रम्प की उम्मीदवारी रोकने के लिए कई समान कानूनी चुनौतियां खड़ी की थीं। अमेरिकी संविधान में यह धारा गृह युद्ध के बाद जोड़ा गया था। अदालत का यह फैसला ट्रम्प को अमेरिकी इतिहास में ऐसा पहला राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाता है, जिन्हें अमेरिकी संविधान के शायद ही कभी इस्तेमाल किए जाने वाले प्रावधानों के तहत व्हाइट हाउस के लिए अयोग्य करार दिया गया है। अमेरिकी संविधान का वह प्रावधान विद्रोह या विद्रोह में शामिल किसी भी अधिकारी को राष्ट्रपति पद संभालने से रोकता है। उन्हें अमेरिकी संविधान के 14वें संशोधन की धारा तीन के तहत अयोग्य करार दिया गया है।

सबूतों को देखूंगा, अगर हमारे नागरिक ने कुछ गलत...

आतंकी पन्नू की हत्या की साजिश पर पीएम मोदी का पहला बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार अमेरिका में एक भारतीय की हत्या की साजिश के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह किसी भी सबूत पर देखेंगे लेकिन कुछ घटनाएं अमेरिका-भारत संबंधों को पटरी से नहीं उतारेंगी। फाइनेंशियल टाइम्स को दिए इंटरव्यू में पीएम मोदी ने कहा कि अगर कोई हमें कोई जानकारी देता है तो हम निश्चित रूप से उस पर गौर करेंगे। अगर हमारे किसी नागरिक ने कुछ भी अच्छा या बुरा किया है, तो हम उस पर गौर करने के लिए तैयार हैं। हमारी प्रतिबद्धता कानून के शासन के प्रति है।

अमेरिका ने हाल ही में भारत पर अपने नागरिक और अलगाववादी समूह सिख फॉर जस्टिस के जनरल काउंसिल गुरपतवंत सिंह पन्नून के खिलाफ हत्या की साजिश का आरोप लगाया था। भारत ने पन्नून को आतंकवादी करार दिया है। विदेशों में स्थित कुछ चरमपंथी समूहों की गतिविधियों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए, मोदी ने एफटी से कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में ये तत्व डराने-धमकाने और हिंसा भड़काने में लगे हुए हैं। मोदी ने कहा कि 'इस रिश्ते को मजबूत करने के लिए मजबूत द्विदलीय समर्थन है, जो

एक परिपक्व और स्थिर साझेदारी का स्पष्ट संकेतक है।

सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी सहयोग हमारी साझेदारी का एक प्रमुख घटक रहा है। मुझे नहीं लगता कि कुछ घटनाओं को दोनों देशों के राजनयिक संबंधों से जोड़ना उचित है। मोदी ने कहा कि हमें इस तथ्य को स्वीकार करने की जरूरत है कि हम बहुपक्षवाद के युग में रह रहे हैं। दुनिया एक दूसरे से जुड़ी होने के साथ-साथ एक दूसरे पर निर्भर भी है। यह वास्तविकता हमें यह मानने के लिए मजबूर करती है कि सभी मामलों पर पूर्ण सहमति सहयोग के लिए पूर्व शर्त नहीं हो सकती।

पाकिस्तानी आवाम बना रही फिर से इमरान की पूर्ण बहुमत की सरकार

-एक सर्वे के नतीजे में पीटीआई को 84 प्रतिशत की मत

कराची (एजेंसी)। भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में अगले 2 महीनों में आम चुनाव होने वाले हैं। इसकी घोषणा पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने बीते माह 2 नवंबर को कर दी थी। इसके लिए सारी जरूरी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। हालांकि, इसी बीच आम चुनाव को लेकर एक सर्वे हुआ है, जिसके नतीजे बेहद चौंकाने वाले हैं। सर्वे के मुताबिक पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) आम चुनाव में पूर्ण बहुमत से जीत हासिल कर सकती है।

पाकिस्तान में तीन मुख्य पार्टियां हैं। इसमें पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएल-एन, बिलावल भुट्टो जरदारी की पीपीपी और इमरान खान की पार्टी पीटीआई शामिल हैं। हाल के कुछ महीनों में पाकिस्तान में काफी राजनीतिक उथल-पुथल मची है। इस दौरान इमरान को प्रधानमंत्री के पद से हटाकर उन्हें जेल भी भेज दिया गया। इसके बावजूद सर्वे के नतीजे पीटीआई के पक्ष में दिखाई दे रहे हैं। सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक आवाम ने पीटीआई को पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने के बात कर रहे हैं।

सर्वे रिपोर्ट में जनता से सवाल किया गया कि पाकिस्तान में कौन सी पार्टी अगले आम चुनाव में पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी। इस पर लोगों ने इमरान की पार्टी के पक्ष में सबसे ज्यादा 84 फीसदी वोट दिए। दूसरे नंबर पर नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएल-एन को मात्र 11 फीसदी वोट मिले और आखिरी में बिलावल भुट्टो जरदारी की पीपीपी पार्टी के 5 फीसदी के लगभग वोट मिले।

सर्व से साफ होता हैं कि पाकिस्तान की जनता इमरान खान को दोबारा प्रधानमंत्री बनता देखना चाहती है। ये आंकड़े कहीं-न-कहीं नवाज शरीफ और उनकी गठबंधन वाली सरकार में शामिल पीपीपी के लिए चिंता का सबसे बड़ा विषय बन सकती है।

अमेरिका में अल्पसंख्यक हिंदुओं की रक्षा के लिए साथ आए सांसद, अब बनेगा 'कांग्रेसनल कॉकस'

वाशिंगटन। रिपब्लिकन सांसद पीट सेशंस और एलिस स्टेफनिक ने मंगलवार (स्थानीय समय) को धार्मिक अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा करने और अमेरिकी कांग्रेस में उनके मुद्दों को उठाने के लिए कांग्रेसनल हिंदू कॉकस के उद्घाटन की घोषणा की। एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया कि मूल रूप से 115वीं कांग्रेस के दौरान स्थापित, कॉकस ने हिंदू-अमेरिकी समुदाय और नीति निर्माताओं के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका जारी रखी है। कांग्रेसनल हिंदू कॉकस का उद्घाटन हमारे देश की राजधानी में हिंदू-अमेरिकी समुदाय की आवाज को पहचानने और बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सेशंस ने कहा, हम उनकी चिंताओं को दूर करने, उनके योगदान का जश्न मनाने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि उनके दृष्टिकोण को सरकार के उच्चतम स्तर पर सुना जाए। इसमें कहा गया है कि कांग्रेसी सेशंस और अध्यक्ष स्टेफनिक की अध्यक्षता में कांग्रेसनल हिंदू कॉकस उन मूल्यों का प्रतिनिधित्व करने के लिए समर्पित है जो हिंदू-अमेरिकी समुदाय के लिए महत्वपूर्ण हैं। कॉकस भारत, नेपाल, श्रीलंका, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, भूटान, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ब्रिटेन और नीदरलैंड सहित विभिन्न देशों के हिंदुओं का प्रतिनिधित्व करता है। बयान में कहा गया है कि इसमें भारतीय मूल के अन्य धर्मों जैसे सिख, जैन और बौद्ध के सदस्य भी शामिल हैं। सांसदों के अनुसार, कांग्रेसनल हिंदू कॉकस मुक्त उद्यम, सीमित सरकार, वित्तीय अनुशासन, मजबूत पारिवारिक मूल्यों और सत्तावादी शासन के खिलाफ एक मजबूत विदेश नीति रुख की वकालत करता है। यह सक्रिय दृष्टिकोण न केवल वाशिंगटन में हिंदू-अमेरिकी उपस्थिति को मजबूत करता है बल्कि एक अधिक प्रतिनिधि और विविध राष्ट्र को आकार देने में इसके प्रभाव को भी बढ़ाता है।

डीपसाउथ सुपरकंप्यूटर: मानव मस्तिष्क का सूक्ष्म परीक्षण कर खोलेगा दिमाग के रहस्य

ईस्ट एंग्लिया (एजेंसी)। अप्रैल 2024 में ऑनलाइन होने वाले दुनिया के पहले सुपरकंप्यूटर के बारे में ऑस्ट्रेलियाई शोधकर्ताओं का कहना है कि यह मानव मस्तिष्क में गतिविधियों की अनुमानित दर को टक्कर देगा। प्रति सेकंड 228 खरब गतिविधियां करने में सक्षम डीपसाउथ नामक मशीन मानव मस्तिष्क के पैमाने पर न्यूरॉन्स और सिनैप्स (प्रमुख जैविक संरचनाएं जो हमारे तंत्रिका तंत्र को बनाते हैं) के नेटवर्क का अनुकरण करने में सक्षम है। डीपसाउथ न्यूरोमॉर्फिक कंप्यूटिंग नामक एक दृष्टिकोण से संबंधित है, जिसका उद्देश्य मानव मस्तिष्क की जैविक प्रक्रियाओं की नकल करना है। इसे वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल सेंटर फॉर न्यूरोमॉर्फिक सिस्टम्स से चलाया जाएगा। हमारा मस्तिष्क सबसे अद्भुत कंप्यूटिंग मशीन है। अपनी कंप्यूटिंग शक्ति को अरबों छोटी इकाइयों (न्यूरॉन्स) में वितरित करके, जो खरबों कनेक्शनों (सिनैप्स) के माध्यम से परस्पर क्रिया करती हैं, मस्तिष्क दुनिया के सबसे शक्तिशाली सुपर कंप्यूटरों को टक्कर दे सकता है। इसके लिए केवल एक फ्रिज लैंप बल्ब द्वारा उपयोग की जाने वाली समान शक्ति की आवश्यकता होगी। इस बीच, सुपर कंप्यूटर आम तौर पर बहुत अधिक जगह लेते हैं और उन्हें चलाने के लिए बड़ी मात्रा में विद्युत शक्ति की आवश्यकता होती है। दुनिया का सबसे शक्तिशाली सुपरकंप्यूटर, हेवलेट पैकर्ड एंटरप्राइज फ्रंटियर, प्रति सेकंड केवल एक कुइनटिलियन (एक के बाद 18 शून्य) से अधिक ऑपरेशन कर सकता है। यह 680 वर्ग मीटर (7,300 वर्ग फुट) जगह में समाता है ?जिसे चलाने के लिए 22.7 मेगावाट (मेगावाट) की आवश्यकता होती है।

पाकिस्तान के पूर्व पीएम नवाज शरीफ के बदले सुर बोले- हमने ही अपने पैरों में कुल्हाड़ी मारी, भारत का भी किया जिक्र

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के सुर काफी बदले बदले नजर आ रहे हैं। वे लगातार पाकिस्तान को कोसते हुए तंगी हालात के लिए पाकिस्तान की नीतियों को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। हाल ही में लंदन से लोटे शरीफ ने कहा है कि आज हमारे मुल्क की जो हालात हैं, उसके पीछे कोई और नहीं बल्कि हम खुद ही हैं। हमने खुद अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारी है। नवाज ने कहा कि आज पाकिस्तान जो सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है, इसके लिए न तो भारत जिम्मेदार है और न ही अमेरिका। हम खुद ही इसके जिम्मेदार हैं। बता दें कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ 21 अक्टूबर से लंदन से अपने मुल्क लौटे थे। जब से वो पाकिस्तान की सरजमीं पर कदम रखा है, तब से वह पाकिस्तान को लेकर बुरा भला कह रहे हैं। वह इशारों ही इशारों में पाकिस्तान की सेना पर निशाना साध

रहे हैं। मुल्क की दयनीय हालत के लिए कहीं न कहीं उसे ही जिम्मेदार ठहराने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेना ने 2018 के चुनावों में धांधली करके इस देश पर एक चयनित सरकार थोप दी। इसके कारण आम जनता परेशान हुई और अर्थव्यवस्था की स्थिति खराब हो गई।

कुछ दिन पहले भी नवाज ने पाकिस्तान की खस्ता हाल पर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था कि उनके साथ जो हुआ सो हुआ लेकिन असली सजा तो पाकिस्तान की आवाम को मिली। आज पाकिस्तान में चार रुपए की रोटी 15-20 रुपए मिल रही है। 50 रुपए की चीनी आज यहां 150 रुपए किलो मिल रही है। उस जमाने की बिजली आज इतनी महंगी हो गई है कि लोग इसके बिल तक नहीं भर पाते। हमारे कौम के बच्चे के लिए इससे बड़ी सजा और क्या हो सकती। पाकिस्तान में अगले साल आम चुनाव होने हैं और नवाज शरीफ चौथी बार पाकिस्तान का प्रधानमंत्री बनने का सपना देख रहे हैं। पीएमएल-एन के टिकट के दावेदारों के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि उन्हें तीन बार (1993, 1999 और 2017) सत्ता से बेदखल किया गया था। शहबाज ने साल 1999 का जिक्र करते हुए कहा कि मैं सुबह प्रधानमंत्री था और शाम को मुझे हाइजैकर घोषित कर दिया गया। शहबाज ने आगे कहा कि इसी तरह 2017 में हुआ। अपने बेटे से सैलरी नहीं लेने के कारण मुझे सत्ता से बाहर कर दिया गया। उन्होंने अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ सुप्रीमो इमरान खान का जिक्र करते हुए कहा कि वो अपने चुने हुए व्यक्ति को सत्ता में लाना चाहते थे इसलिए उन्होंने ऐसा फैसला किया।

भारत ने एक साथ उड़ाई चार दुश्मन मिसाइल, घबराए कई देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को इतनी बड़ी सफलता मिली है जिसने पूरे देश का सीना गर्व से चौड़ा कर दिया है। भारत ने वो कर दिखाया है जिसे दुनिया में अभी तक कोई नहीं कर सका है। अमेरिका, रूस, चीन, इजरायल भारत ने सबको पीछे छोड़कर नंबर वन बन गया है। भारत ने एक ऐसा एयर डिफेंस सिस्टम तैयार कर लिया है जो किसी देश के पास नहीं है। भारतीय वायुसेना ने अपने आकाश एयर डिफेंस सिस्टम का सफलता पूर्वक परीक्षण कर लिया है। आकाश एयर डिफेंस सिस्टम ने एक साथ चार टारगेट को नष्ट करने की टेस्टिंग की है। आकाश ने हवा में उड़ने वाले चार अलग-अलग दिशाओं से आने वाले ऑब्जेक्ट्स को एक साथ चार मिसाइलों से उड़ा दिया। इस तरह का टेस्ट करने वाला भारत दुनिया का पहला देश बन गया है।

रक्षा अधिकारियों ने बताया कि हाल के डिफेंस एक्सरसाइज अस्त्र शक्ति 2023 के दौरान भारत ने इंटिजिनियस आकाश मिसाइल सिस्टम का शक्ति प्रदर्शन किया था। ये सारे टारगेट मानवरहित थे। ये एक्सरसाइज 12 दिसंबर को आंध्र प्रदेश के सूर्यलंका वायुसेना स्टेशन पर की गई। आपको बता दें कि आकाश वेपन सिस्टम को डीआरडीओ ने बनाया है। ये पूरी तरह से स्वदेशी डिफेंस सिस्टम है। इसे खरीदने के लिए कई अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों ने ऑर्डर दिए है। डीआरडीओ भी इस सिस्टम को लगातार अपडेट कर रहा है।

आकाश एयर डिफेंस सिस्टम की क्षमता की बात करें तो ये भारत डायनमिक लिमिटेड (बीडीएलके) शॉर्ट रेंज सर्वेस टू एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम है। इसका मुख्य काम हवा से आने वाले किसी भी खतरे को हवा में ही खत्म करना है। ये सिस्टम दुश्मन के हवाई हमले से एक बड़े इलाके की रक्षा कर सकता है। बीडीएल के मुताबिक आकाश विपेन सिस्टम ग्रुप मोड या आटोनोमस मोड में एक साथ कई टारगेट को निशाना बना सकता है। ये पूरा सिस्टम एक चलती फिरती गाड़ी पर असेंबल किया जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संसद कक्ष, लॉबी और गैलरी में नहीं आ सकते निलंबित सांसद, लोकसभा सचिवालय ने जारी किया आदेश

नई दिल्ली। संसद से निलंबित किए गए सांसदों के लोकसभा में प्रवेश पर रोक लगाई गई है। लोकसभा सचिवालय ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। सर्कुलर में निलंबित सांसदों को संसद कक्ष, लॉबी और गैलरी में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगाने की सूचना दी है। 13 दिसंबर को संसद में सुरक्षा चूक के बाद विपक्ष लगातार सरकार पर हमलावर है। निलंबित किए गए सांसदों पर एक और बड़ा एक्शन लिया गया है। लोकसभा सचिवालय ने सर्कुलर जारी किया है। इसमें स्पष्ट कहा है कि निलंबित 145 सांसदों को संसद कक्ष, लॉबी और गैलरियों में भी प्रवेश पर रोक लगाई गई है। बता दें कि लोकसभा से कुल 95 सांसदों को निलंबित किया गया है। जबकि राज्यसभा से 46 सदस्यों को सस्पेंड किया गया है। इन सांसदों पर संसद की कार्यवाही में बाधा डालने का आरोप है। वहीं, विपक्षी गुट ने सांसदों के निलंबन को अलोकतांत्रिक बताया है। जबकि मोदी सरकार ने कार्रवाई को उचित ठहराया है। बीजेपी ने निलंबित सांसदों पर लोकसभा अध्यक्ष, राज्यसभा सभापति और संसद की संस्था का अपमान करने का आरोप लगाया है। खड़गे ने कहा, हमने कई निर्णय लिए हैं, जिनमें से एक निलंबित सांसदों पर है। हम इसके खिलाफ लड़ने को तैयार हैं। हम इसके खिलाफ लड़ने के लिए एकजुट हुए हैं। हम लोगों ने 22 दिसंबर को सांसदों के निलंबन के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया है। लोकतंत्र को बचाने के लिए हम सभी को लड़ना होगा। हम सभी ऐसा करने के लिए तैयार हैं।

मल्लिकार्जुन खड़गे बहुत बढ़िया नेता साबित हो सकते हैं : राघव चड्ढा

नई दिल्ली । आगामी लोकसभा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन की अहम बैठक हुई। बैठक के दौरान आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोक अरविंद केजरीवाल और टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने मल्लिकार्जुन खड़गे को अगले चुनाव में प्रधानमंत्री पद का चेहरा बनाने का समर्थन किया है। इस बैठक को लेकर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता राघव चड्ढा ने कहा कि मुझे लगता है कि मल्लिकार्जुन खड़े बहुत ही अच्छा नेता साबित होंगे। राघव चड्ढा ने कहा कि इंडिया गठबंधन की बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा हुई, जैसे-जैसे चर्चा होगी, हम आपको उसके बारे में बताएंगे। आगे सीटों के बंटवारे का कार्यक्रम शुरू होगा, फिर हमारा अभियान शुरू होगा, इंडिया गठबंधन पूरी मजबूती से एकजुटता के साथ काम करेगा। मुझे लगता है कि 2024 में हम लोग एक वैकल्पिक सरकार देने में सफल होंगे। राघव चड्ढा ने कहा कि इंडिया गठबंधन की बैठक में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मिलकर मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम प्रस्तावित किया था। मुझे लगता है कि इस विषय पर चर्चा होगी, इसके बाद इसपर फैसला लिया जाएगा। मल्लिकार्जुन खड़गे एक बहुत बड़े नेता हैं इस देश के, बतौर सांसद मुझे उनके नेतृत्व में राज्यसभा में काम करने का मौका मिलता है। उनका 55 साल का बेहतरीन राजनीतिक करियर रहा है। वो एक पॉलिटिकल ल्युमनरी के साथ सोशल रिफॉर्मर रहे हैं। उनका जीवन बहुत ही संघर्षशील रहा है, साधारण बूथ स्तर के कार्यकर्ता के तौर पर उन्होंने राजनीतिक पार्टी ज्वाइन की थी, आज वो उस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, राज्यसभा में विपक्ष के नेता हैं, उनके अनुभव से देश को बहुत लाभ हो सकता है। वो एक बहुत बढ़िया नेता साबित हो सकते हैं।

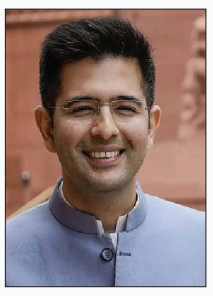

अंतरराष्ट्रीय संघ फोरम शुरु, दलाई लामा ने किया उद्घाटन

गया। बिहार के बोधगया में बुधवार को अंतरराष्ट्रीय संघ फोरम की शुरुआत हुई। बौद्ध धर्मावलंबियों के प्रसिद्ध तीर्थस्थल में देश विदेश के अनेक विद्वानजन शामिल हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार तीन दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में 33 देशों के करीब 2,000 विद्वान अपने विचार रख रहे हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा ने किया। इस दौरान अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू भी उपस्थित रहे। इसमें भारत, थाईलैंड, म्यांमार, बांग्लादेश, कंबोडिया, लाओस, श्रीलंका, तिब्बत, भूटान, नेपाल, वियतनाम, ताइवान, रूस, मंगोलिया, जापान और कोरिया सहित 33 देशों के 2,000 से ज्यादा बौद्ध विद्वान शामिल हो रहे हैं। बता दें कि आईएसएफ का लक्ष्य विनय नियमों के जटिल पहलुओं पर बातचीत को बढ़ावा देना और 21वीं सदी में बौद्ध धर्म की विकसित भूमिका का पता लगाना है। इसमें बौद्ध धर्म की गहन शिक्षाओं पर चर्चा होगी। सम्मेलन के अंतिम दिन बोधगया के महाबोधि मंदिर में विश्व शांति के लिए प्रार्थना सभा होगी। कहा जाता है कि बोधगया में ही गौतम बुद्ध को अंतिम ज्ञान प्राप्त हुआ था। इसलिए इस स्थान का विशेष महत्व है1 तीन दिवसीय सम्मेलन को संबोधित करने वालों में संघराज, मठाधीश और बौद्ध संस्थानों के प्रमुख लोग शामिल हैं। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य पाली, संस्कृत और तिब्बती बौद्ध परंपराओं के अभ्यासकर्ताओं के बीच चल रहे संवाद और सहयोग को बढ़ाना होगा। सम्मेलन का उद्देश्य प्रत्येक परंपरा की अनूठी शक्तियों की सराहना और समझ को विकसित करना बताया जा रहा है।

हादसे के 38 दिनों बाद सिलक्यारा टनल में शुरू हुआ काम

उत्तरकाशी। निर्माणाधीन सिलक्यारा टनल का काम 38 दिनों बाद एक बार फिर से शुरू हो गया है। यमुनोत्री मार्ग पर बन रही इस टनल में हुए हादसे के बाद से अब सुरंग केवल 480 मीटर ही बची हुई है। वहीं मंत्रालय की ओर से गठित विशेषज्ञ जांच समिति ने सिलक्यारा हादसे की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार कंपनी पहले बड़कोट सिरे से काम कर रही है। जांच होने के बाद सिलक्यारा सिरे से भी सुरंग निर्माण का काम शुरू किया जाएगा। बताया जा रहा है ?कि सिलक्यारा टनल हादसे की जांच करने वाली टीम 4 दिनों की जांच के बाद दिल्ली वापस लौट गई है। अब जांच टीम अपनी रिपोर्ट मंत्रालय को सौपेंगी। उसके बाद ही सिलक्यारा टनल के बड़कोट सिरे से काम शुरू होगा। एनएचआईडीसीएल के निदेशक अंशु मनीष खल्खो ने बताया कि सुरंग के सिलक्यारा सिरे से जांच के बाद ही काम शुरू होगा, लेकिन बड़कोट सिरे से कंपनी ने काम शुरू कर दिया है। अभी हमें जांच टीम की रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है। इसके साथ ही बचाव में लगी कंपनियों के बिल के आधार पर ऑपरेशन के खर्च का कुल बिल निर्माण कंपनी को दिया जाएगा। बता दें कि 12 नवंबर को दिवाली की सुबह टनल में भूस्खलन के चलते टनल के अंदर 41 मजदूर फंस कर रह गए थे। जिसके बाद उन्हें 17 दिन बाद तमाम एजेंसियां की मदद से रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया था।

हाई कोर्ट जज के पति ने लगाया जबरिया बयान देने का आरोप

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट की न्यायाधीश अमृता सिन्हा के पति, वरिष्ठ वकील प्रताप चंद्र डे ने सीआईडी पर जबरिया बयान देने का आरोप लगाया है। उन्होंने शहर की एक अदालत के बार एसोसिएशन में शिकायत दर्ज करवाई है कि राज्य पुलिस का आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) उन पर उनकी पत्नी के खिलाफ बयान देने के लिए दबाव बना रहा है। कोलकाता मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट के बार एसोसिएशन को दी गई अपनी शिकायत में डे ने सीआईडी अधिकारियों पर उन्हें एक मामले में गवाह के रूप में बुलाने और उसके बाद उनकी पत्नी के खिलाफ बयान देने के लिए दबाव डालने का खुलासा ?किया। दरअसल स्कूल में नौकरी के लिए नकद का मामला जस्टिस सिन्हा की बेंच में लंबित है। एक कॉर्पोरेट इकाई के निदेशकों की संपत्ति से संबंधित एक मामला, जिसका नाम स्कूल नौकरी मामले में केंद्रीय एजेंसी की जांच के दौरान सामने आया था, बुधवार को सुनवाई के लिए निर्धारित है। डे ने दावा किया कि उन्हें सीआईडी अधिकारियों ने दो बार बुलाया था और आखिरी बार उन्हें नौ घंटे से अधिक समय तक सीआईडी कार्यालय में इंतजार कराया गया था। हालांकि यह पता चला है कि डे ने अपना मोबाइल फोन जमा करने के सीआईडी के निर्देश का पालन नहीं किया और इसके बजाय राज्य एजेंसी को एक जवाबी पत्र दिया। बार एसोसिएशन के मुताबिक डे ने अपनी शिकायत में कहा कि उन पर अपनी पत्नी के खिलाफ बयान देने के लिए दबाव डालने के अलावा उन्हें लुभावने वादों से फंसाने की भी कोशिश की गई। हालांकि सीआईडी ने दावा किया है कि जिस मामले में डे को पूछताछ के लिए बुलाया गया था उसकी जांच सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद उनके अधिकारियों द्वारा की जा रही थी।

अब खरगे का दर्द आया सामने...मैं दलित हूं, इसलिए मुझे बोलने नहीं दिया जाता

अधीर रंजन ने कहा, यह संसद के इतिहास दुखद दिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जाति को हर मुद्दे में नहीं घसीटा चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि क्या उन्हें हर बार राज्यसभा में बोलने की अनुमति नहीं मिलने पर यह कहना चाहिए कि दलित होने के कारण ऐसा होता है। दरअसल राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने संसद परिसर में उनकी, तृणमूल कांग्रेस सांसद द्वारा नकल उतारने पर नाराजगी जाहिर कर राज्यसभा में कहा कि संसद परिसर में उनकी नकल उतारकर किसान समाज और उनकी जाति (जाट) का अपमान किया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि सभापति का काम दूसरे सदस्यों को संरक्षण देना है, लेकिन वह खुद इस तरह

का बयान दे रहे हैं।

उन्होंने कहा, मुझे अक्सर राज्यसभा में बोलने की अनुमति नहीं दी जाती है। क्या मुझे यह कहना चाहिए कि मैं दलित हूं... इसलिए... उन्हें जाति के नाम पर बोल कर लोगों को नहीं भड़काना चाहिए। वहीं कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि यह देश के लिए बहुत दुखद दिन है, जब संवैधानिक पदों पर बैठे लोग अपनी जातियों के बारे में बात करते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार यह मुद्दा उठाकर संसद की सुरक्षा में सेंध के मुद्दे से अपना पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रही है। उन्होंने पूछा कि क्या अब हर किसी को अपनी जाति बताने वाला ठप्पा लगा कर घूमना चाहिए? कांग्रेस नेता खरगे ने सवाल किया कि संसद की सुरक्षा में सेंध के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने दोनों सदनों में कुछ भी नहीं कहा लेकिन संसद के बाहर उन्होंने अपनी बात रखी, तब क्या प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को माफी नहीं मांगनी चाहिए।

सभापति धनखड़ ने उपराष्ट्रपति और लोकसभा अध्यक्ष की नकल उतारने की घटना पर गहरी आपत्ति जताकर इस अस्वीकार्य करार दिया था।

जाति आधारित जनगणना पर सभी से बात कर फैसला होगा : शिंदे

मुंबई । महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि जाति आधारित जनगणना पर उचित निर्णय समाज के सभी वर्गों की राय जानने और लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखकर लिया जाएगा। पूरे देश में जाति आधारित जनगणना को लेकर लगातार बहस छिड़ी हुई है। विपक्षी पार्टियां लगातार जनगणना कराने की मांग कर रही हैं। अब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शिंदे ने साफ कह दिया है कि समाज के सभी वर्गों की राय लेने के बाद मामले में फैसला लिया जाएगा। सीएम शिंदे रेशमीबाग इलाके में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संस्थापक केबी हेडगेवार और दूसरे सरसंघचालक एमएस गोलवलकर के स्मारकों पर गए और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने कहा कि जाति आधारित जनगणना पर उचित निर्णय समाज के सभी वर्गों की राय जानने और लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए लिया जाएगा। गौरतलब है, आरएसएस पदाधिकारी श्रीधर गाडगे ने कहा था कि कोई जाति आधारित जनगणना नहीं होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने सवाल किया था कि इससे क्या हासिल होगा। उन्होंने कहा था कि इस तरह की कवायद से कुछ लोगों को राजनीतिक रूप से फायदा हो सकता है, क्योंकि इससे यह आंकड़ा मिलेगा कि किसी निश्चित जाति की आबादी कितनी है, लेकिन यह सामाजिक रूप से और राष्ट्रीय एकता के लिहाज से अच्छा नहीं है। बता दें, कांग्रेस देशव्यापी जातिगत जनगणना के पक्ष में है।

लोकसभा में तीन आपराधिक कानून संशोधन विधेयक ध्वनिमत से पारित

-गृह मंत्री ने चर्चा के बाद दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद सुरक्षा चूक मामले में एक तरफ विपक्ष आक्रामक रुख अपनाया हुआ है तो वहीं लोकसभा सचिवालय ने निलंबित किए गए सांसदों को लेकर एक सर्कुलर जारी किया है। यहां बुधवार को लोकसभा में तीन आपराधिक कानून संशोधन विधेयक ध्वनिमत से पारित कए गए हैं। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में भारतीय न्याय (द्वितीय) संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा (द्वितीय) संहिता 2023 एवं भारतीय साक्ष्य (द्वितीय) विधेयक 2023 पर हुई चर्चा का जवाब दिया।

अपने जवाब में गृह मंत्री शाह ने कहा कि मैंने तीनों विधेयकों का गहनता से अध्ययन किया है और इन्हें बनाने से पहले 158 परामर्श सत्रों में भाग लिया है। उन्होंने कहा कि सीआरपीसी में पहले 484 धाराएं थीं, अब इसमें 531 धाराएं होंगी। उन्होंने बतलाया कि 177 धाराओं में बदलाव किए गए हैं और इसमें 9 नई धाराओं को जोड़ा गया है। इनमें 39 नई उप-धाराएं जोड़ी गई हैं। इसके अतिरिक्त 44 नए प्रावधान जोड़े गए हैं। तीनों संशोधन विधेयकों पर सदन में हुई चर्चा

और बहस के बाद धवनिमत से इन्हें पारित कर दिया गया। इन विधेयकों की विपक्ष ने आलोचना की है। ये तीनों विधेयक आईपीसी यानी भारतीय दंड संहिता, सीआरपीसी यानी दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे। इस विधेयक में ट्रायल कोर्ट को अधिकतम तीन साल में अनिवार्य रूप से निर्णय पारित करने का प्रावधान किया गया है।

ओवैसी ने विधेयकों की आलोचना

हैदराबाद सांसद और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने इन विधेयकों की आलोचना करते हुए कहा है कि नए आपराधिक विधेयक लोगों की नागरिक स्वतंत्रता और अधिकारों के लिए खतरा हैं उन्होंने कहा कि ये विधेयक पुलिस को किसी के भी खिलाफ कार्रवाई करने की व्यापक शक्तियां प्रदान करते हैं।

राजद्रोह की जगह देशद्रोह

सदन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों के बारे में अब प्रत्येक पुलिस थाने में विवरण दर्ज किया जाएगा। इसके साथ ही एक नामित पुलिस अधिकारी को इनका रिकॉर्ड बनाने के लिए जिम्मेदार बनाया जाएगा। गृहमंत्री शाह ने कहा कि हम राजद्रोह की जगह देशद्रोह लेकर आए हैं। आईपीसी ने राजद्रोह को परिभाषित करते हुए सरकार के खिलाफ कार्य निरुपित किया था, लेकिन बीएनएस प्रावधान उन लोगों के लिए है, जो देश की संप्रभुता, सुरक्षा प्रहार करते हैं या उसे प्रभावित करते हैं। गृहमंत्री शाह ने कहा कि सरकार की आलोचना की जा सकती है, सरकार की आलोचना करने पर जेल नहीं होगी, लेकिन कोई भी देश के ख़िलाफ़ नहीं बोल सकता।

मिमिक्री विवाद पर बोले राहुल गांधी

नई दिल्ली। शीतकालीन सत्र में विपक्षी सांसदों के निलंबन का मुद्दा गरमाया हुआ है। पूरा विपक्ष सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहा है। इसी बीच मंगलवार को टीएमसी सांसद द्वारा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री करने की घटना ने नया मुद्दा उछाल दिया। अब इस पूरे मामले पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि सांसद वहां बैठे थे, मैंने उनका वीडियो शूट किया। मेरा वीडियो मेरे फोन पर है। मीडिया इसे दिखा रहा है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री को लेकर जब मीडिया ने राहुल गांधी से सवाल किया तो उन्होंने कहा कि, वहां सांसद बैठे थे, मैंने उनका वीडियो शूट किया। वीडियो मेरे फोन में है। मीडिया इसे दिखा रहा है। किसी ने कुछ नहीं कहा है। हमारे 150 सांसदों को (सदन से) बाहर निकाल दिया गया है, लेकिन मीडिया में उस पर कोई चर्चा नहीं है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि, अडानी पर कोई चर्चा नहीं, राफेल पर फ्रांस ने कहा है कि, जांच करने नहीं दी जा रही है, इस पर कोई चर्चा नहीं हो रही है, बेरोजगारी पर कोई चर्चा नहीं हो रही है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ का मजाक उड़ाने के मामले में सियासी घमासान, पुलिस में पहुंचा मामला

- मिमिक्री करने वाले सांसद की बढ़ेगी मुश्किलें!

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ का मजाक उड़ाने वाले मामले ने तूल पकड़ लिया है। आने वाले दिनों में भी ये मामला शांत होने वाला नहीं है। इस मुद्दे पर राजनीति के साथ घेराबंदी की तैयारी की जा रही है। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी के खिलाफ मामला पुलिस में पहुंच गया है। एक वकील ने दिल्ली के डिफेंस कॉलोनी पुलिस स्टेशन में टीएमसी सांसद के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत कई विपक्षी सांसदों की मौजूदगी में संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन के दौरान धनखड़ की मिमिक्री की थी। बता दें कि यह मामला दक्षिण जिला पुलिस के अंतर्गत नहीं आता है, इसलिए शिकायत को नई दिल्ली जिला पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया गया है। इस मामले पर नेताओं के तेवर देखते हुए माना जाने लगा है कि ये मुद्दा जल्द शांत होने वाला नहीं है। इस घटना से सभापति आहत हैं और उन्होंने सदन में अपना दर्द भी बयां किया है। धनखड़ ने कहा कि किसान और जाट पृष्ठभूमि को लेकर मुझे निशाना बनाया जा रहा है। मेरा अपमान किया जा रहा है। उन्होंने सदन में मौजूद कांग्रेस नेता और राज्य सभा सांसद पी.चिदंबरम को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि सोचिये! मेरे दिल पर क्या गुजर रही होगी, जब आपके एक वरिष्ठ नेता उपराष्ट्रपति का मजाक उड़ाने की वीडियोग्राफी कर रहे थे। जबकि, मुझ पर व्यक्तिगत हमला किया जा रहा था। धनखड़ ने कहा कि यह एक किसान और एक समुदाय का अपमान मात्र नहीं है। यह राज्य सभा के सभापति के पद का निरादर है। वह भी एक ऐसी राजनीतिक पार्टी के सदस्य द्वारा, जिसने इतने लंबे समय तक शासन किया हो। उन्होंने सदन में मौजूद कांग्रेस सांसद चिदंबरम से पूछा कि संसद का एक वरिष्ठ सदस्य, दूसरे सदस्य की वीडियोग्राफी करता है किसलिए? आपको बताता हूं कि मुझे बहुत कष्ट हुआ है। इस तरह की घटनाओं को गंभीर मसला बताते हुए सभापति ने आगे कहा कि इंस्टाग्राम पर आपकी (कांग्रेस) पार्टी ने एक वीडियो डाला था, जिसे बाद में हटा लिया गया। यह शर्मनाक है। एक किसान के रूप में मेरी पृष्ठभूमि का अपमान करने, एक जाट के रूप में मेरे पद का अपमान करने और सभापति के रूप में मेरे पद का अपमान करने के लिए (कांग्रेस) पार्टी के आधिकारिक प्रवक्ता के सोशल मीडिया के हैंडल का इस्तेमाल किया गया।

यूनुस और जुबैर खान ने सभी को चौंकाया, संस्कृत में ली शपथ

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में यूनुस खान, जिन्होंने विधानसभा चुनाव में भाजपा द्वारा टिकट नहीं देने के बाद एक स्वतंत्र के रूप में चुनाव लड़कर जीत हासिल की थी। उन्होंने विधानसभा में संस्कृत में विधायक पद की शपथ लेकर सभी को हैरान कर दिया। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के करीबी यूनुस को दो दिवसीय राजस्थान विधानसभा सत्र के दौरान संस्कृत में शपथ लेते देखा गया। यूनुस के अलावा कांग्रेस विधायक जुबैर ने भी संस्कृत में शपथ ली।

यूनुस ने डीडवाना से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। उन्होंने लिखा कि आज 16वीं राजस्थान विधानसभा सदस्य के रूप में अध्यक्ष महोदय के समक्ष शपथ ग्रहण की। इस मौके पर डीडवाना की जनता का एक बार पुनः बहुत बहुत आभार, जिन्होंने अपने प्रतिनिधि, अपने सेवक के रूप में मुझे यह अवसर प्रदान किया। डीडवाना की जनता की सेवा ही मेरे जीवन का ध्येय है। 2018 के विधानसभा चुनाव में, यूनुस खान को टोंक निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा द्वारा सचिन पायलट के खिलाफ खड़ा किया गया था, हालांकि, वह चुनाव हार गए। पायलट ने यूनुस खान को 54,179 वोटों से हराया। राजस्थान में नई सरकार के गठन के बाद राजस्थान विधानसभा का पहला सत्र बुधवार से शुरू हुआ। राज्यपाल कलराज मिश्र ने दो दिवसीय सत्र बुलाया है जहां नवनिर्वाचित विधायकों को पद की शपथ दिलाई जाएगी और स्पीकर का चुनाव होगा।

देश सहित दुनिया के 40 देशों में फैल चुका कोरोना का जेएन.1 वेरिएंट

-भारत में इस स्ट्रेन के 21 सक्रिय मामले

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश और दुनिया में कोरोना फिर डरा रहा है। कोविड के नया जेएन.1 वेरिएंट अब 40 देशों में फैल चुका है। चौंकाने वाली बात यह है कि भारत में इस स्ट्रेन के 21 सक्रिय मामले मौजूद हैं। नए सब वेरिएंट की खास बात यह है कि यह वेरिएंट दूसरे स्ट्रेन की तुलना में ज्यादा तेजी से फैलता है।

कोरोना संक्रमण की तीन लहरों से दुनियाभर में मची तबाही के बाद लोगों ने कुछ राहत की सांस ली ही थी, लेकिन फिर कोरोना के नए सब वेरिएंट ने डराना शुरू कर दिया है। भारत में फिलहाल कोविड संक्रमण के 2300 से ज्यादा सक्रिय मामले हैं। इसमें नए सब वेरिएंट जेएन.1 के 21 मामले हैं।

कोरोना के नए सब वेरिएंट जेएन.1 के बारे में सामने आया है, कि इसका सबसे पहला केस अगस्त में लक्जमबर्ग में पाया गया। इसके बाद यह धीरे-धीरे

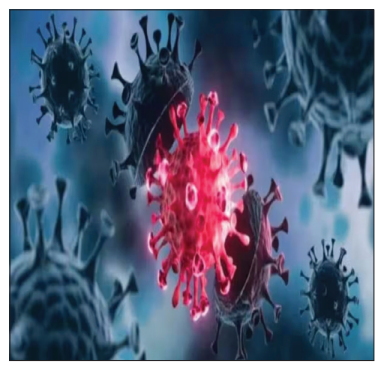

36 से 40 देशों में फैल गया। डब्ल्यूएचओ ने इस वैरीअंट ऑफ इंटरेस्ट कहा है। कोविड के चलते बीते दो हफ्ते में देश के अंदर 16 मौते हुई हैं। इन लोगों को पहले से कई गंभीर बीमारी थीं। यानी ये लोग को कोमोरबिडिटीज से पीड़ित थे।

हाल ही में 15 दिसंबर को बेंगलुरु के एक निजी अस्पताल में एक व्यक्ति की कोरोना संक्रमण से मृत्यु हुई थी। वह भी दूसरी कई बीमारियों से पीड़ित था। इस रोगी का सैंपल इकट्ठा कर जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेज दिया गया है।

614 नए केस आए, केरल में 3 की मौत

भारत में बीते दिन कोरोना संक्रमण के 614 नए मामले दर्ज किए गए हैं, जो 21 मई के बाद से सबसे ज्यादा हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के सक्रिय केस बढ़कर 2,311 हो गए हैं। 24 घंटे के दौरान केरल में तीन लोगों की मौत हुई है, जिसके बाद देश में कोविड से मरने वालों की संख्या 5 लाख 33 हजार 321 हो गई है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने जेएन.1 स्ट्रेन के बारे में बताया है कि जांच में सामने आया है कि दूसरे वैरिएंट की तुलना में अधिक आसानी से फैलता है। जेएन.1 अधिक जोखिम पैदा नहीं करता है।

अगले पांच वर्षों में भारत का रोड इंफ्रास्ट्रक्चर अमेरिका जैसा होगा: गडकरी

-मौजूदा नीतियों में सुधार की बताई जरूरत, रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हुए

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि अगले पांच वर्षों में हमारा रोड इंफ्रास्ट्रक्चर अमेरिका जैसा होगा। उन्होंने मीडिया को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि हमारा लक्ष्य महानगरों में भीड़ कम करने और यात्रा के समय और सड़क दुर्घटनाओं को कम करने का रहा है। इसके अलावा हमने अपने सड़क बुनियादी ढांचे को अमेरिका के बराबर बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। पिछले नौ वर्षों में देश की सड़कों को सुरक्षित और स्मार्ट बनाने के मिशन मोड में मंत्रालय ने 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं के लिए काम सौंपा है। मौजूदा नीतियों में सुधार करके अनुबंधों को मंजूरी देने की प्रक्रिया को भी आसान बनाया है। उन्होंने मीडिया में प्रकाशित एक साक्षात्कार में कहा कि किसी भी ठेकेदार को ठेका स्वीकृत कराने के लिए मेरे पास आने की जरूरत नहीं है। हम निर्णय लेने में पारदर्शी, समयबद्ध परिणामोन्मुख और गुणवत्ता के प्रति जागरूक और तेज हैं। गडकरी ने कहा कि अच्छे काम को प्रोत्साहित करने के दम पर ही हमारे पास सात विश्व रिकॉर्ड हैं, जो मंत्रालय की बड़ी उपलब्धि है।

गडकरी ने कहा कि मुझे विश्वास है कि पांच साल बाद हमारा सड़क बुनियादी ढांचा अमेरिका के बराबर हो जाएगा। ऑटोमोबाइल क्षेत्र में भारत को नंबर एक बनाने को लेकर उन्होंने कहा कि भारत का ऑटोमोबाइल उद्योग हाल ही में जापान को पीछे छोड़कर चीन और अमेरिका के बाद तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्योग 7.5 लाख करोड़ रुपये का है और राज्यों और केंद्र सरकार को अधिकतम जीएसटी इसी क्षेत्र से मिलती है। रोजगार की बात करें तो अब तक इस उद्योग से 4.5 करोड़ नौकरियां पैदा हो चुकी हैं। मेरा सपना अगले पांच वर्षों में हमारे ऑटोमोबाइल उद्योग का आकार दोगुना कर 15 लाख करोड़ रुपये करना है। उन्होंने जीवाश्म ईंधन की खपत को कम करने के लिए इलेक्ट्रिक और फ्लेक्स ईंधन वाहनों को पेश करने की भी जरूरत बताई।

नितिन गडकरी ने कहा कि यह भारतीय किसानों को ऊर्जा उत्पादक के रूप में दोगुना करने के साथ-साथ अन्नदाता बनने के लिए भी सशक्त बनाएगा क्योंकि गन्ने और चावल के डंठल जैसी फसलों से इथेनॉल ईंधन का उत्पादन किया जा सकता है। बड़े शहरों में इलेक्ट्रिक बसें शुरू करने के प्रयास चल रहे हैं। पांच साल के भीतर सार्वजनिक परिवहन पूरी तरह बदल जाएगा। यह कम प्रदूषण फैलाने वाला, अधिक लागत प्रभावी विकल्प होगा। महानगरों में भीड़ कम करने के लिए 65,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं शुरू की गई हैं, जिसमें राष्ट्रीय राजधानी में द्वारका एक्सप्रेसवे, छह-लेन शहरी विस्तार सड़क, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे, और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे शामिल हैं। सड़क सुरक्षा के बारे में लोगों की मानसिकता बदलने के लिए मीडिया,

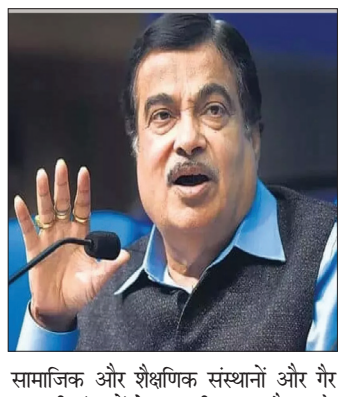

सामाजिक और शैक्षणिक संस्थानों और गैर सरकारी संगठनों से मदद की जरूरत है। इसके लिए अमिताभ बच्चन और अक्षय कुमार समेत मशहूर हस्तियों से मदद ले रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सामूहिक आत्महत्या का प्रयास

मां ने दूध में जहर मिलाकर दो बच्चों को पिलाया और खुद भी पी लिया

सचिन इलाके कि घटना, सभी की हालत स्थिर मानसिक तनाव में आत्महत्या का प्रयास किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सचिन इलाके में एक महिला द्वारा दो मासूम बच्चों को दूध में जहर देकर खुद भी जहर निगल लेने की घटना सामने आई है। इसलिए तीनों को सिविल अस्पताल में शिफ्ट किया गया। जहां मां और दोनों बच्चों की हालत में सुधार बताया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि महिला ने मानसिक तनाव में आकर आत्महत्या करने की कोशिश की है। पुलिस ने अब पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

यह घटना सूरत सचिन इलाके के पाली गांव की है. एक महिला ने अपने दो मासूम बच्चों को दूध में जहर देने के बाद खुद भी जहर निगल लिया। तीनों को तत्काल इलाज के लिए सिविल ले जाया गया। महिला की दूसरी शादी है और बच्चे उसके पहले पति से हैं। दूसरा पति अलग रहता है।

जानकारी के मुताबिक, मूलरूप से बिहार की रहने वाली २५ वर्षीय महिला अपने एक बेटे और एक बेटी के साथ पाली गांव में रहती है। वह एक मिल में काम करके अपनी जीविका चलाता है। महिला ने दो बार शादी की है। पहले पति के दो बच्चे हैं, एक बेटा (७ साल का) और एक बेटी (२ साल की)। दूसरा पति उसके साथ नहीं रहता है।

महिला के माता-पिता भी गांव में रहते हैं। इसलिए महिला दोनों बच्चों को साथ लेकर काम पर जाती है। बेटा मूल बिहार में रहकर पढ़ाई कर रहा था। हालाँकि, बेटे को सूरत लाया गया क्योंकि वह खराब आर्थिक स्थिति के कारण अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए गांव में पैसे नहीं भेज पा रही थी। मंगलवार की रात काम से बच्चों के साथ घर आने के बाद मां ने दूध में जहर मिलाकर दोनों बच्चों को पिला दिया और खुद भी पी लिया।

इसकी भनक लगते ही पड़ोसी दौड़ पड़े और तुरंत १०८ की मदद से तीनों को इलाज के लिए सिविल पहुंचाया। जहां फिलहाल तीनों का इलाज चल रहा है।वहीं पुलिस ने इस मामले में आगे की जांच भी कर ली है।

प्रारंभिक जांच में पता चला कि महिला के पहले पति की तीन साल पहले कैंसर से मौत हो गई थी।

महिला अकेली दोनों बच्चों के साथ जीवन गुजार रही थी। एक साल पहले संदीप के साथ दूसरी शादी हुई थी। कुछ ही दिनों में संदीप भी अपने गांव जाकर वापस नहीं लौटा। महिला मिल में काम करके दो बच्चों का भरण-पोषण नहीं कर सकती थी।

महिला का परिवार भी गांव में रहता है और उनका उसे कोई सहारा नहीं था। अकेली महिला तनाव में थी, साथ ही वह जिंदगी से उदास भी थी।

इसलिए मानसिक तनाव में आत्महत्या करने के इरादे से उसने अपने बच्चों के दूध में जहर मिला दिया और खुद भी जहर पी लिया होने की संभावना पर पुलिस जांच कर रही है।

लिंबायत मीठीखाड़ी में पति ने घर में पत्नी पर चाकू से हमला किया

बिमार पत्नी आराम करने मायके आने पर घुस्साए पती ने किया हमला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। लिंबायत के मीठीखाड़ी इलाके में रहने वाली एक महिला की उसके ही पति ने हत्या करने की कोशिश की। विवाहिता की शादी चार साल पहले हुई थी। साथ ही घर में छोटी छोटी बातों को लेकर लड़ाई चल रही थी जिससे विवाहिता काफी समय से परेशान थी। इसी बीच उसे बुखार आ गया तो वह मायके में आराम करने चली गई। जहां पत्नी के गुस्साए पति ने उस पर चाकू से जानलेवा हमला कर से जान से मारने की भी कोशिश की।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक घटना आज बुधवार शाम करीब पांच बजे लिंबायत मीठीखाड़ी इलाके में हुई। पीड़ित पत्नी का पति मीट की दुकान चलाता था। साथ ही वह पत्नी को घर खर्च के लिए भी पैसे नहीं देता थी। वह पियर से पैसे मांगती थी। इसी बीच समा की तबीयत खराब हो गई और वह मायके चली गईं। इस बात से नाराज पति ने पत्नी के मायके घर में घुसकर चाकू से जानलेवा हमला कर खून से नहला दिया।

पति ने उसके पेट, जांघ और हाथ में चाकू से वार कर दिया। साथ ही घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी पति भाग गया। सिविल अस्पताल में भर्ती महिला के परिजनों ने बताया कि पति ने शराब के नशे में उसे जान से मारने की कोशिश की। परिवार ने बताया कि २० साल की पीड़िता समा परवीन शेख की शादी ४ साल पहले सफीक नाम के शख्स से हुई थी।

इस शादी से दंपत्ति का ३ साल का एक बेटा भी है। शेख सफीक मीट की दुकान चलाता है। साथ ही वह परिवार सामान्य झगड़ों में भी एक-दूसरे से झगड़ता रहता था।

कहा जा सकता है कि कुछ समय पहले सामा को बुखार आने के बाद जब वह पियरे के पास आई तो सफीक का दिल टूट गया था।

परिवार ने आगे बताया कि घटना आज शाम ५ बजे की है। साम घर में आराम कर रही थी अचानक सफीक ने घर में घुसकर चप्पू से हमला कर दिया और थापा के पेट के बीच चप्पू घुसा दिया।

जैसे ही समा ने अपना बचाव किया, सफीक ने एक और हमला किया और समा के हाथ में चाकू मार दिया। हमले के बाद सफीक भाग गया। घायल समा को तत्काल इलाज के लिए सिविल लाया गया। साथ ही अभी पुलिस की जांच भी जारी है।

प्रशासन की इजाजत के बिना बनाए जा रहे मंदिर को लेकर नगर निगम की टीम से भिड़े लोग

महिलाओं ने हाथ में उठाई ईंटे, नगर निगम के कर्मचारीओं ने पुलिस की मदद ली

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

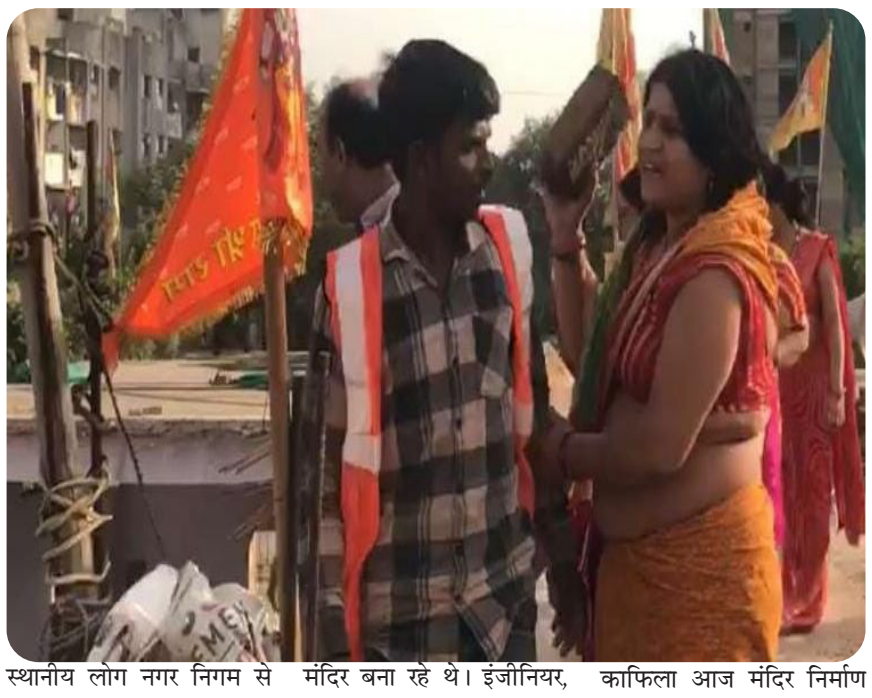

सूरत नगर निगम की दबाव मुक्त टीम से लोगों की झड़प हो गई। डिंडोली में एक आरक्षण भूखंड पर स्थानीय लोगों द्वारा पहले एक छोटा मंदिर बनाया गया था। फिर एक बड़ा मंदिर बनाए जाने पर नगर निगम प्रशासन एक्शन मोड में आ गया। टीपी ६९ में रिजर्वेशन प्लॉट नंबर २५में चमत्कारी हनुमानजी का मंदिर बन रहा था। जब नगर निगम की टीम ने इस मंदिर को तोड़ना शुरू हुआ तो स्थानीय लोग आ गए। महिलाओं ने ईंटें हाथ में लेने पर तोड़फोड़ का काम रोक दिया।

स्थानीय लोग नगर निगम से बिना किसी इजाजत लिए रिजर्व प्लॉट पर एक बड़ा मंदिर बना रहे थे। इंजीनियर, सहायक अभियंता समेत १५ से २० कर्मचारियों का काफिला आज मंदिर निर्माण स्थल पर पहुंचा। करीब १५ से २० अधिकारी-कर्मचारी मौके पर पहुंचे और अवैध निर्माण को तोड़ना शुरू कर दिया। मंदिर के पुजारियों और भक्तों को इस घटना की जानकारी मिलने पर वह तत्काल मंदरि में दौड़े चले आने से स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

एसएमसी कर्मचारियों और पुजारी भक्तों के बीच झड़प हो गई। जब महिलाएं मंदिर पहुंचीं तो उन्होंने हाथों में ईंटें लेकर एसएमसी कर्मचारियों का सामना किया। स्थिति बिगड़ने पर एसएमसी के कर्मचारीओं ने पिछेहट करने पर मजबूर हो गये। डिंडोली पुलिस भी मौके पर पहुंची। एसएमसी अधिकारियों ने पूजारी से और निर्माण करने से मन कर दिया और चले गए।

उधना रेलवे स्टेशन के दो प्लेटफॉर्म ९० दिनों तक बंद रहेंगे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

उधन रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास का काम

उधना प्लेटफार्म-२ और ३ यात्रियों के लिए बंद, ट्रेनों को प्लेटफॉर्म नंबर-४ और ५ से चलाया जाएगा

सूरत में उधना रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास का काम जोर-शोर से चल रहा है, इसलिए उधना स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-२ और ३ दिनांक २१ दिसंबर २०२३ से ९० दिनों के लिए बंद रहेंगे। दूसरे शब्दों में कहें तो प्लेटफॉर्म नंबर-२ और ३ से चलने वाली ट्रेनों को प्लेटफॉर्म नंबर-४ और ५ से चलाया जाएगा।

सूरत रेलवे स्टेशन के साथ-साथ उधना रेलवे स्टेशन के विकास के लिए काम शुरू कर दिया गया है। अगले २१ तारीख से बिल्डिंग के पिलर खड़े करने का काम किया जाएगा। अब बिल्डिंग के पिलर प्लेटफार्म नंबर-२ और ३ पर खड़े होंगे। प्लेटफार्म पर मशीनें संचालित होने के कारण प्लेटफार्म बंद कर दिया जाएगा। इस बीच २१ दिसंबर से अगले ९० दिन यानी तीन महीने तक प्लेटफॉर्म नंबर-२ और ३ यात्रियों के लिए बंद रहेगा।

प्लेटफॉर्म-२ और ३ से प्रस्थान करने वाली ट्रेनों को प्लेटफॉर्म नंबर १, ४ और ५ पर स्थानांतरित किया जाएगा। कौन सी ट्रेनें होंगी शिफ्ट? इसकी घोषणा की जायेगी। प्लेटफार्म नंबर २ और ३ का काम पूरा होने के बाद प्लेटफार्म नंबर १ पर काम शुरू किया जाएगा। हालांकि, इस परिचालन के दौरान यात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।